दो बजे
दोपहर
मुंबई, नवी मुंबई, ठाणे, पालघर, रायगढ़, नासिक, पुणे से एक साथ प्रकाशित
पत्रकारिता पावर नहीं रिस्पांसिबिलिटी है

EVM की आरती उतारना नेत्री को पड़ा महंगा

पुलिस ने दर्ज किया मामला, मतदान कर्मियों को भी सख्त नोटिस

पुणे। रूपाली चाकणकर द्वारा ईवीएम मशीन की पूजा करने का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हुआ था। इसके बाद सिंहगढ़ रोड पुलिस स्टेशन में केस दर्ज किया गया था। चुनाव अधिकारी ने रूपाली चाकणकर के खिलाफ सिंहगढ़ पुलिस स्टेशन में शिकायत दर्ज कराई थी। इस शिकायत पर यह केस दर्ज किया गया। चाकणकर ने मतदान के दिन 7 मई को वडगांव धायरी परिसर के नारायणराव

सणस मतदान केंद्र पर मतदान से पूर्व ईवीएम मशीन की पूजा की थी। मतदान केंद्र में जाकर पूजा करना, यह चुनाव आयोग के नियमों के खिलाफ है। इसलिए मतदान केंद्र के मतदान अधिकारी ने इस मामले में शिकायत दर्ज कराई थी। इसे लेकर चुनाव निर्णय अधिकारी कविता द्विवेदी के निर्देश पर सिंहगढ़ रोड पुलिस स्टेशन में केस दर्ज किया गया था। इसके बाद द्विवेदी ने मतदान केंद्र के अधिकारियों व कर्मचारियों के खिलाफ अनुशासनहीनता की कार्रवाई करने की रिपोर्ट डॉ. दिवसे को भेजी थी।

छगन भुजबल का बड़ा दावा, बोले-

शरद पवार के फोन के बाद विपक्ष ने किया आरक्षण पर सर्वदलीय बैठक का बहिष्कार

धीरज सिंह । बारामती/ मुंबई

मराठा समाज और उनके सगे संबंधियों के लिए ओबीसी कोटे से आरक्षण की मांग को लेकर मनोज जरांगे पाटिल के आंदोलन की वजह से मराठा समाज और ओबीसी समाज के बीच तनाव लगातार बढ़ रहा है। एनसीपी (अजित पवार) के नेता व मंत्री छगन भुजबल ने अप्रत्क्ष रूप से एनसीपी (शरद पवार) ने प्रमुख शरद पवार को इसके लिए जिम्मेदार ठहराया है। भुजबल ने सीधे तौर पर आरोप लगाया कि शरद पवार राज्य के वरिष्ठ नेता होने की हैसियत से विपक्षी दलों को आरक्षण के मुद्दे को हल करने की सलाह देने के बजाय महाराष्ट्र में आग लगाने का काम कर रहे हैं।

लगे एक मराठा लाख मराठा के नारे : गौरतलब हो कि एनसीपी (अजित पवार) की जनसम्मान रैली में भुजबल का भाषण जैसे ही खत्म हुआ पूरा परिसर एक मराठा लाख मराठा के नारों से गूंज उठा। इस दौरान 20 जुलाई से मनोज जरांगे पाटिल की फिर से अनशन शुरू करने की चेतावनी पर भुजबल ने कहा कि देश में लोकतंत्र है। उन्हें अपनी बात रखने का अधिकार है।

नाम लिए बिना किया हमला

बारामती में उपमुख्यमंत्री अजित पवार की अध्यक्षता में एनसीपी (अजित पवार) की 'जनसम्मान' रैली में भुजबल ने शरद पवार का नाम लिए बगैर कहा कि मराठा आरक्षण को लेकर सर्वदलीय बैठक बुलाई गई थी। विपक्षी नेता बैठक में शामिल होने के लिए तैयार थे। हालांकि, शाम को बारामती से फोन आया और विपक्षी दलों ने बैठक का बहिष्कार कर दिया। उन्होंने कहा कि आप अजित पवार और छगन भुजबल से नाराज हैं, लेकिन राज्य के ओबीसी समाज ने आपका क्या बिगाड़ा है? उन्होंने कहा कि चुनाव आप अपने मुद्दे पर लड़ें, हम हमारे मुद्दे पर लड़ेंगे लेकिन सामाजिक समस्या का समाधान मिलकर करना चाहिए।

मुंबई में बारिश से हुई तबाही ने हिमाचली बागवानों की मेहनत पर फेरा पानी

दोपहर संवाददाता । मुंबई

प्रदेश के सेब बागवानों की मेहनत पर पहले सूखे तथा अब मुंबई व अन्य मैदानी क्षेत्रों में हो रही बारिश ने पानी फेर दिया है। बारिश के कारण मुंबई में सड़कें पूरी तरह से पानी में डूबी हुई हैं। ऐसे में वहां फल मंडियों में न तो ट्रकों की अनलोडिंग हो रही है और न ही मंडियां खुल रही हैं। ऐसे में नाशपाती व सेब के रेट पर असर पड़ा है। दोनों ही फलों के रेट में प्रति पेटी 100 से 300 रुपए तक की गिरावट आई है।

नाशपाती पहले 2,400 से 2,500 रुपए पेटी बिक रही थी जो अब घटकर 800 से 1,700 रुपए प्रति पेटी बिक रही है। इसी तरह टाइड मैन के वोट बैंक में गिरावट दर्ज की गई है, क्योंकि हिमाचल से सेब व नाशपाती लेकर मुंबई गए ट्रकों की अनलोडिंग नहीं हो रही है। इससे ट्रक ऑप्रेटरों को नुक्सान उठाना पड़ रहा है, वहीं नाशपाती अधिक समय तक नहीं टिक पाती है। भट्टाकुफर फल मंडी में सेब से महंगी नाशपाती बिक रही है।

रविवार को टाइड मैन वैरायटी के सेब 800 से 1,200 रुपए में बिके, जबकि नाशपाती की पेटी 800 रुपए से 1,900 रुपए तक

बिकी। अब सेब व नाशपाती यूनिवर्सल कार्टन में मंडी में पहुंच रहे हैं।

घटिया क्वालिटी के यूनिवर्सल कार्टन ने बागवानों ही नहीं, आढ़तियों की परेशानी को बढ़ा दिया है। शिमला से यूनिवर्सल कार्टन में नाशपाती व टाइड मैन सेब मुंबई भेजा गया था। यूनिवर्सल कार्टन मुंबई में खस्ता हालत में पहुंच रहा है।

मुंबई पहुंच कर यूनिवर्सल कार्टन ट्रक में प्रैस होकर फट गया तथा पेटियों में फल भी खराब हुआ है। शिमला के एक आढ़ती को मुंबई के लदानी ने इसकी फोटो भेजी है। इसमें लदानी ने आढ़तियों से अच्छे बारदाना में सेब व अन्य फलों की पैकिंग भेजने को कहा है। ऐसा नहीं होने पर आढ़तियों को पेमैंट से हाथ धोना पड़ सकता है। उन्होंने सरकार से मांग की है कि बाजार में यूनिवर्सल कार्टन की गुणवत्ता को सुनिश्चित करे।

न्यूज़ ब्रीफ

नई शिक्षा नीति: स्कूलों के तर्ज पर अब कॉलेजों में भी होगी PTM

नई दिल्ली। स्कूलों के तर्ज पर अब कॉलेजों में भी विद्यार्थियों की कमजोरी नियमित रूप से अभिभावकों को बताया जाएगा। उच्च शिक्षा निदेशालय की ओर से महीने में दो बार अभिभावक शिक्षक बैठक (पीटीएम) करने का निर्णय लिया है। इसके साथ ही विद्यार्थी कॉलेज से बंक नहीं मार सकेंगे। इसकी रिपोर्ट एप के माध्यम से रोजाना अभिभावक को दी जाएगी। उच्च शिक्षा निदेशालय ने नई शिक्षा नीति के तहत कॉलेज में भी पीटीएम व्यवस्था शुरु करने का निर्णय लिया है। इसके लिए जिले के सभी कॉलेज के प्रधानाचार्य की ऑन लाइन बैठक बुलाई गई थी। इसमें निर्णय लिया गया है कि कॉलेज के नाम पर बंक मारने वाले विद्यार्थियों की रिपोर्ट मोबाइल एप के माध्यम से अभिभावक को दिया जाएगा।

3 लाख से अधिक श्रद्धालुओं ने पंढरपुर में किया प्रवेश

मुंबई। आषाढ़ी एकादशी तीर्थ यात्रा का समारोह केवल दो दिनों ही बचा है। इसके चलते पंढरपुर आने वाले श्रद्धालुओं (वारकरियों) की भीड़ बढ़ने लगी है। रविवार को तीन लाख से अधिक श्रद्धालु पंढरपुर में प्रवेश कर चुके हैं और श्रद्धालुओं की भीड़ बढ़ती ही जा रही है। विट्ठल-रुक्मिणी पादस्पर्शन की दर्शन कतार गोपालपुर रोड पर पत्रा शेड तक पहुंच चुकी हैं।

पंढरपुर में श्रद्धा और भक्ति का दौर शुरू हो चुका है। चूंकि 17 जुलाई को आषाढ़ी एकादशी है, इसलिए भक्त विथुरया के दर्शन के लिए पंढरपुर में आ रहे हैं। इसके अलावा संतों की पालखी में शामिल भक्तों की भीड़ दिन-ब-दिन बढ़ती जा रही है। श्रद्धालु चंद्रभागा में स्नान के बाद दर्शन के लिए कतार में लगे हुए हैं। आषाढ़ी के अवसर पर पंढरपुर में श्रद्धालुओं द्वारा विठ्ठल नाम का जाप किया जा रहा हैं। मुंबई से भी पंढरपुर में विठ्ठल भगवान का दर्शन करने के लिए भक्तों को जाने का सिलसिला जारी है और लाखों लोग पंढरपुर पहुंच चुके हैं।

अब सिर्फ 2 मिनट में कंफर्म होगी ट्रेन की टिकट

नई दिल्ली। त्योहार का सीजन शुरू हो रहा है। त्योहार के सीजन में ट्रेन की टिकट के लिए काफी इंतजार करना होता है जिस वजह से हम छुट्टियां लेकर भी घूमने नहीं जा पाते हैं। अब छुट्टियों पर जाना है तो आपको ट्रेन का टिकट भी कराना पड़ेगा। लेकिन हड़बड़ी में ट्रेन का टिकट कराना आपको कंफर्म टिकट नहीं बल्कि वेटिंग टिकट दिलाता है। जबकि आप आसानी से कुछ स्टेप्स फॉलो कर कंफर्म ट्रेन टिकट हासिल कर सकते हैं। भारतीय रेलवे में तत्काल सुविधा उपलब्ध कराई हुई है। इसके तहत आप अपनी जर्नी से एक दिन पहले तत्काल टिकट काट सकते हैं।

'झूठ का मायाजाल...': PM मोदी के '4 साल में 8 करोड़ नौकरियां' वाले बयान पर खरगे का पलटवार

एजेंसी । नई दिल्ली

कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने नौकरियों को लेकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा किए गए दावों पर जोरदार हमला बोला है। खरगे ने कहा है कि प्रधानमंत्री झूठ का मायाजाल बुन रहे हैं। मुंबई में एक कार्यक्रम में पीएम मोदी ने 29,000 करोड़ रुपये की बुनियादी ढांचा परियोजनाओं का शुभारंभ करते हुए कहा था कि इस आंकड़े ने नौकरियों पर फर्जी कहानी फैलाने वालों को चुप करा दिया है। जो लोग फर्जी कहानी फैला रहे हैं, वे निवेश, बुनियादी ढांचे के विकास और देश के विकास के दुश्मन हैं।

कांग्रेस अध्यक्ष ने क्या कहा?

पीएम मोदी के दावों पर पलटवार करते हुए खरगे ने सोशल मीडिया साइट एक्स पर लिखा कि कल आप मुंबई में नौकरियाँ देने पर झूठ का मायाजाल बुन रहे थे। मैं आपको पुनः याद दिलाना चाहता हूँ कि आपने NRA - National Recruitment Agency की घोषणा करते हुए क्या कहा था। अगस्त 2020 में आपने कहा था - 'NRA करोड़ों युवाओं के लिए वरदान साबित होगी। सामान्य पात्रता परीक्षा के माध्यम से, यह कई परीक्षाओं को समाप्त कर देगा और कीमती समय के साथ-साथ संसाधनों की भी बचत करेगा। इससे पारदर्शिता को भी बड़ा बढ़ावा मिलेगा।'

खरगे ने पूछे 3 सवाल

1. NRA ने पिछले 4 वर्षों से एक भी परीक्षा क्यों नहीं कराई? क्यों NRA को 1,517 l57 करोड़ का फंड मुहैया कराने के बावजूद, 4 वर्षों में अब तक केवल 58 करोड़ ख़र्चा किया गया है?
2. NRA सरकारी नौकरियों की भर्ती के लिए संस्था बनी थी। क्या जानबूझकर NRA को निष्क्रिय रखा गया, ताकि SC, ST, OBC व EWS युवाओं से उनके आरक्षण का हक़ छीना जा सके?
3. कांग्रेस अध्यक्ष ने आरोप लगाया कि NTA से धांधली, पेपर लीक व घोटाला कराया गया, और NRA से परीक्षा ही नहीं करवाई गई! शिक्षा प्रणाली को तहस-नहस करने का और युवाओं के भविष्य को तंग-तबाह करने का बीड़ा BJP-RSS ने उठाया है। खरगे ने अंतिम लिखा है कि हमने NRA का मुद्दा पहले भी उठाया था पर मोदी सरकार मौनव्रत धारण कर के बैठी हुई है!

नेपाल में बस हादसे में मृतक संख्या बढ़कर हुई पांच

एजेंसी । काठमांडू

नेपाल में बचावकर्मियों ने रविवार को एक व्यक्ति का शव बरामद किया जो पिछले सप्ताह चितवन जिले में भूस्खलन के कारण उफनती नदी में दो बसों के बह जाने के बाद लापता हो गया था। यह जानकारी पुलिस ने दी। इसके साथ ही इस हादसे में मरने वालों की संख्या बढ़कर पांच हो गई है, जिनमें एक भारतीय भी शामिल है। बचाव दल को रविवार को गैंडाकोट-7 में पांचवां शव मिला। बचाव दल शुक्रवार को भूस्खलन के बाद उफनती त्रिशूली नदी में दो बसों के बह जाने के बाद लापता यात्रियों की तलाश कर रहे थे। इन बसों में सात भारतीयों सहित 65 यात्री सवार थे। भूस्खलन चितवन जिले के नारायणघाट-मुगलिंग मार्ग पर सिमलताल इलाके

में हुआ। घटना के तुरंत बाद तीन लोग तैरकर सुरक्षित निकल आये थे। एक न्यूज पोर्टल ने एक पुलिस अधिकारी के हवाले से बताया कि तलाशी अभियान के दौरान अब तक एक भारतीय समेत केवल पांच शव बरामद किए गए हैं।

23 जुलाई को अपने तीसरे कार्यकाल का पहला बजट पेश करेंगी वित्त मंत्री सीतारमण

डिफेंस सेक्टर पर होगा सरकार का फोकस

एजेंसी । नई दिल्ली

केन्द्र की मोदी सरकार 23 जुलाई को अपने तीसरे कार्यकाल का पहला बजट पेश करेगी। इस बजट में डिफेंस सेक्टर पर सरकार ज्यादा फोकस कर सकती है, और रक्षा बजट को अतिरिक्त राशि प्रदान कर सकती है। इसके पीछे पर्याप्त कारण भी हैं। 22 जुलाई को संसद का बजट सत्र भी शुरू होने जा रहा है। जिसके ठीक एक दिन बाद वित्तमंत्री निर्मला सीतारमण मोदी 3.0 का पहला आम बजट पेश करेंगी। इस बजट से रक्षा सेक्टर को अधिक राशि मिलने की उम्मीद जताई जा रही है। एक्सपर्ट्स की मानें तो यह 13 फीसदी से बढ़कर 20 फीसदी तक किया जा सकता है।

पिछले 10 साल में हुई बढ़ोतरी

मोदी सरकार ने पिछले 10 साल में लगातार इसमें बढ़ोतरी भी की है। 2014 में रक्षा बजट 2 लाख 29 हजार करोड़ था जो कि 2023 में बढ़कर 5 लाख 93 हजार 500 करोड़ हो गया। वहीं 2024 के अंतरिम बजट में 6 लाख 21 हजार करोड़ की राशि देने का ऐलान किया गया था। ऐसे में माना जा रहा है कि इस बार रक्षा बजट को और बढ़ाया जा सकता है।

राजनाथ सिंह का बयान

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने अक्टूबर 2023 में कहा था कि 2047 तक जब हम आजादी के 100 साल मनाएंगे, तब एक विकसित देश बनने के लिए भारत को आधुनिक उपकरणों के साथ मजबूत सशस्त्र बलों की आवश्यकता है। इस बयान को इनडायरेक्टली ज्यादा बजट की डिमांड से जोड़कर देखा जा रहा है। वहीं बीजेपी राष्ट्री सुरक्षा को चुनावी मुद्दा भी बनाती रही है। जिसमें बजट में रक्षा सेक्टर को दी गई राशि महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है

डिफेंस सेक्टर की उम्मीद

मोदी 3.0 चल रहा है और रक्षा क्षेत्र उम्मीद कर रहा है कि सरकार को हर साल केंद्र सरकार के कुल खर्च का कम से कम 25 फीसदी डिफेंस पर खर्च करना चाहिए। 2024 के अंतरिम बजट पर नजर डालें तो यह मात्रा 13 .04 फीसदी था। ऐसे में एक्सपर्ट्स का मानना है कि सरकार इस बार को मांग के अनुरूप नहीं फिर भी रक्षा बजट को 20 फीसदी के आस-पास रख सकती है। भारत के पड़ोसी राज्यों में चीन और पाकिस्तान से हमेशा ही तना-तनी बनी रहती है। एलएसी पर चीन अपने ख़तरनाक मंसूबे जाहिर करता रहता है तो एलओसी पर पाकिस्तान।

इंडिया ने 4-1 से जीती टी-20 सीरीज

आखिरी मैच में भी जिम्बाब्वे को हराया

संजू की फिफ्टी, मुकेश-शिवम की शानदार गेंदबाजी

एजेंसी । नई दिल्ली

टीम इंडिया ने रविवार को हरारे के मैदान पर खेले गए 5वें टी-20 में भी जिम्बाब्वे को हरा दिया। साथ ही 5 मैचों की टी-20 सीरीज को 4-1 से जीत लिया।

5वें टी-20 में जिम्बाब्वे ने टॉस जीता और भारत को बल्लेबाजी के लिए बुलाया। कप्तान सिकंदर रजा का फैसला पावरप्ले तक सही साबित हुआ। पावरप्ले में इंडिया ने कप्तान शुभमन, ओपनर यशस्वी और अभिषेक शर्मा के विकेट खो दिए थे। स्कोर था सिर्फ 46 रन।

इसके बाद संजू सैमसन ने फिफ्टी लगाई और रियान पराग के साथ

65 रन की साझेदारी की। शिवम दुबे ने डेथ ओवर्स में चौके-छक्के लगाकर टीम का स्कोर 167 रन तक पहुंचाया। 168 रन चेज कर रही जिम्बाब्वे को मुकेश कुमार और शिवम दुबे ने परेशानी में डाला। मुकेश ने पावरप्ले में 2 और 19वें ओवर में 2 विकेट लिया। शिवम दुबे ने मिडिल ओवर्स में किफायती गेंदबाजी की और 2 विकेट भी लिए। जिम्बाब्वे की टीम 18.3 ओवर में 125 रन पर ऑलआउट हो गई।

विट्ठल रुक्मिणी मंदिर में VIP दर्शन बंद

अब 24 घंटे भक्तों के लिए खुले रहेंगे मंदिर के कपाट

एजेंसी । पंढरपुर

विट्ठल दर्शन के लिए घंटों कतार में लगे हजारों भक्त प्रशासन द्वारा पंढरपुर में श्री विट्ठल रुक्मिणी के वीआईपी दर्शन बंद करने के बाद अपनी संतुष्टि व्यक्त कर रहे हैं मंदिर प्रशासन द्वारा आम श्रद्धालुओं के लिए विट्ठल रुक्मिणी की दर्शन सेवा 24 घंटे उपलब्ध कर दी गई है। जिससे श्रद्धालु बेहद खुद हैं। अब वह 24 घंटे कभी भी श्री विट्ठल रुक्मिणी का दर्शन कर पाएंगे। आषाढी वारी के चलते विट्ठल रुक्मिणी मंदिर में श्रद्धालुओं की संख्या बढ़ गई है। पिछले कुछ दिनों से श्री विठ्ठल रुक्मिणी के दर्शन के लिए पंढरपुर आने वाले भक्त वीआईपी दर्शन को लेकर नाराजगी व्यक्त कर रहे थे। आम भक्त घंटों तक दर्शन कतार में खड़े होकर श्री विट्ठल के दर्शन कर रहे थे, लेकिन वीआईपी दर्शन की वजह से ये आम भक्त परेशान थे।

श्रद्धालु थे नाराज

श्रद्धालुओं की नाराजगी को संज्ञान में लेते हुए जिला प्रशासन और मंदिर प्रशासन ने सभी तरह के वीआईपी दर्शन पर रोक लगा दी है। जिसके बाद अब दर्शन कतार में खड़े आम श्रद्धालुओं जल्दी भगवान के दर्शन कर पा रहे है। साथ ही प्रशासन द्वारा विट्ठल रुक्मिणी की दर्शन सेवा 24 घंटे उपलब्ध कराए जाने से आम श्रद्धालु काफी संतुष्ट हैं।

समय कम लग रहा है

सांगली निवासी श्रीकांत कदम ने कहा कि श्री विट्ठल रुक्मिणी के दर्शन के लिए भक्तों को लंबी कतारों में इंतजार करना पड़ता है। लेकिन, हमें बुरा तब लगा जब कुछ लोगों को वीआईपी दर्शन मिल रहे थे। लेकिन, जब से प्रशासन ने वीआईपी दर्शन की इस पद्धति को बंद कर दिया है, तब से हमें दर्शन में कम समय लग रहा है और इससे एक तरह की संतुष्टि मिल रही है। पंढरपुर शहर में प्रशासन द्वारा दी गई सुविधाओं से सब संतुष्ट है।

दर्शन अच्छे से हो रहा

मुंबई निवासी आकाश भंगे ने कहा कि प्रशासन द्वारा विट्ठल रुक्मिणी के वीआईपी दर्शन बंद करने से आम श्रद्धालु खुश हैं, हमें भी जल्दी दर्शन मिल गए, हम मुंबई से विठू माऊली के दर्शन के लिए आए हैं। हमारा दर्शन बहुत अच्छा रहा और दर्शन कतार में सुविधाएं भी बहुत अच्छी थीं। 24 घंटे दर्शन की व्यवस्था के लिए प्रशासन को धन्यवाद।

डोनाल्ड ट्रंप ने पब्लिसिटी के लिए ख़ुद पर करवाया हमला

एजेंसी । न्यूयॉर्क

अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप पर शनिवार की शाम हमला हुआ। गोली उनके कान से छूते हुए निकल गई। इस घटना में वह मामूली रूप से घायल भी हुए हैं। ट्रंप पर हुए हमले के बाद जब पता चला कि हमलावर उन्हीं की पार्टी से ताल्लुक रखता है तो सियासी गलियारों में यह चर्चा आम हो गई कि इसके पीछे पब्लिसिटी स्टंट हो सकता है!

भारतीय समयानुसार रात करीब 2 बजे अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप पर एक रैली के दौरान फायरिंग हुआ। इस घटना में एक गोली ट्रंप के कान से रगड़ते हुए निकल गई। जिसके बाद ट्रंप मुट्ठी भींचकर मंच के नीचे झुक गई। वहीं, सीक्रेट सर्विस के एजेंट्स ने उन्हें घेर लिया

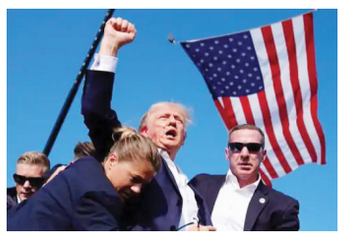

और बचाकर मंच से उतार ले गए। इस घटना ने अमेरिका ही नहीं पूरे विश्व की सियासत में कोहराम मच गया। डोनाल्ड ट्रंप पर हमले के तुरंत बाद सीक्रेट सर्विस के एजेंट्स ने हमलावर को ढेर कर दिया। इसके बाद जब आरोपी हमलावर की शिनाख़्त की गई तो पता चला कि थॉमस मैथ्यू क्रुक्स नाम का आरोपी रिपब्लिकन पार्टी से जुड़ा हुआ है। फिर हर तरफ चर्चाओं का बाजार गर्माया हुआ है।

भिवंडी शहर में बारिश ने मचाया कहर

भाजी मार्केट, छत्रपति शिवाजी महाराज चौक समेत झोपड़पट्टी में घुसा पानी

दोपहर संवाददाता । भिवंडी

भिवंडी शहर में कल रात से हो रही भारी मूसलाधार बारिश ने पूरे शहर में हाहाकार मचा रखा है। शहर के प्रमुख भाजी मार्केट,बाजारपेठ, तीनबत्ती, नजराणा सर्कल,छत्रपती शिवाजी महाराज चौक सहित ईदगाह झोपड़पट्टी, कामवारी नदी, म्हाडा कॉलोनी, चाविंद्रा रोड, काकू बाई चाल, देवजी नगर के पूरे इलाके में जलजमाव से जनजीवन अस्त व्यस्त हो गया है।

भाजी मार्केट, छत्रपति शिवाजी महाराज चौक, नजराना सर्किल क्षेत्र समेत शहर का मुख्य यातायात मार्ग पर ढाई से तीन फीट पानी भरने से रास्ते बंद पड़ गए, वहीं यातायात घंटों प्रभावित रही। जबकि कमर तक भरने वाले पानी के कारण कई निचले इलाकों में नागरिकों को इस रुके हुए पानी से होकर गुजरते और अपना रास्ता बनाते देखा गया।

इसी तरह खाड़ी के किनारे स्थित ईदगाह बस्ती में चार फीट तक पानी जमा होने से बस्ती के सभी घरों में पानी घुस गया। तीन बत्ती म्हाडा कॉलोनी सहित कई निचले इलाकों की सैकड़ों दुकानों और हजारों मकानों में पानी भरने से लोगों का भरी नुकसान उठाना पड़ा। साथ ही भिवंडी मनपा आपातकालीन प्रबंधन सुबह से यहां बाढ़ की स्थिति के दौरान नागरिकों की मदद के लिए नहीं आया, जिस कारण स्थानीय नागरिक अपना गुस्सा मनपा प्रशासन पर व्यक्त कर रहें हैं। क्योंकि मनपा प्रशासन ने ईदगाह स्लम क्षेत्र में लोगों को भोजन के पैकेट और आवश्यक सेवाएं भी प्रदान नहीं कीं है। तेज बारिश से शहर के पास बहने वाली कामवारी नदी का जल स्तर भी बढ़ गया है और आशंका जताई जा रही है कि अगर बारिश बढ़ती रही तो बाढ़ की स्थिति बन सकती है।

मानपाड़ा पुलिस थाने की हद में तलवार गैंग की दहशत

दोपहर संवाददाता । डोंबिवली

डोंबिवली की मानपाड़ा पुलिस थाने की हद में तलवार गैंग की दहशत देखने को मिला हैं। ऐसा बताया जा रहा है कि, रात के समय यह गैंग हाथों में तलवार लेकर चोरी करने के लिए निकलता है और इलाके के सोसाइटी, गली-गली घूमते हैं, जिससे नागरिकों में भय का माहौल हैं। मानपाडा पुलिस ने सीसीटीवी फुटेज की मदद से इस गैंग की पता लगाने की कोशिश कर रही है। इस सीसीटीवी फुटेज में आप देख सकते हैं डोंबिवली के घरडा सर्कल के पास आजदेपाड़ा इलाके में गैंग के लोग हाथों में तलवार लिए भागते दिखाई दे रहे है। यह सीसीटीवी फुटेज बुधवार 10 जुलाई रात

करीब 3 बजे का हैं। गैंग के लोग चेहरे पर रूमाल बांधकर हाथ में तलवार लेकर निकलते हैं। डोंबिवली व ग्रामीण भाग में नागरिक भयभीत हैं, साथ ही नागरिकों ने पुलिस से मांग की हैं कि, रात के समय गस्त बढ़ाया जाए।

11 वर्षीय लड़की को अगवा कर दुष्कर्म, मामला दर्ज

दोपहर संवाददाता । ठाणे

महाराष्ट्र के ठाणे जिले में दो लोगों द्वारा 11 वर्षीय नाबालिग लड़की को कथित तौर पर अगवा करके उससे दुष्कर्म करने की घटना के बाद पुलिस ने मामला दर्ज किया है। एक पुलिस अधिकारी ने रविवार को यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि, 12 जुलाई को अंबरनाथ रेलवे स्टेशन की ओर जाते समय नाबालिग का कथित तौर पर यौन उत्पीड़न किया गया। दो लोगों ने खुद को उसके पिता और दादी का परिचित बताते हुए कथित तौर पर नाबालिग लड़की को अपने साथ एक ऑटोरिक्शा में बैठाया और उसे एक सुनसान जगह पर ले गए। अधिकारी ने प्राथमिकी का हवाला देते हुए कहा कि उन्होंने ऑटोरिक्शा चालक को वहां से जाने के लिए कहा और इसके बाद लड़की से दुष्कर्म किया। अधिकारी ने कहा कि दोनों ने नाबालिग को घटना के बारे में किसी को बताने पर गंभीर परिणाम भुगतने की धमकी भी दी। अधिकारी ने बताया कि बाद में नाबालिग मौके से भागकर अपने घर पहुंची और परिजनों को अपराध के बारे में बताया। उन्होंने कहा कि उसके अभिभावकों की शिकायत पर अंबरनाथ पुलिस ने शनिवार को भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) और यौन अपराधों से बच्चों का संरक्षण (पॉक्सो) अधिनियम के तहत दुष्कर्म का मामला दर्ज किया। उन्होंने कहा कि मामले की जांच जारी है।

कुशीवली डैम को कल्याण डोंबिवली मनपा के लिए आरक्षित करें: विधायक विश्वनाथ भोईर

दोपहर संवाददाता । कल्याण

विधायक विश्वनाथ भोईर ने कल्याण डोंबिवली मनपा की आबादी की पानी की जरूरतों को पूरा करने के लिए अंबरनाथ तालुका में स्थित कुशीवली डैम को आरक्षित करने की मांग की है। जिसका हर तरफ से स्वागत हो रहा है। हालही में राज्य का बजट सत्र चला और विधायक भोईर ने कल्याण डोंबिवली के पानी के मुद्दे पर सरकार का ध्यान आकर्षित किया और कुशीवली डैम की कितनी आवश्यकता हैं यह बताया। पिछले एक दशक में, कल्याण डोंबिवली शहर में कई बड़े-बड़े आवासीय क्षेत्र बने हैं। इन आवासीय परिसरों में हजारों नागरिक रहते हैं और उनकी जल आपूर्ति समस्या गंभीर हो गई है। वर्तमान में, कल्याण डोंबिवली मनपा उल्हास नदी से पानी लेकर उस पर प्रकिया करके नागरिकों को पानी की आपूर्ति कर रहा है। हालांकि, वर्तमान जनसंख्या और भविष्य की ज़रूरतों को देखते हुए, पानी की यह मात्रा पहले से ही कम होने लगी है। इसलिए, विधायक विश्वनाथ भोईर ने बजट सत्र के दौरान कुशीवली डैम को कल्याण डोंबिवली मनपा के लिए आरक्षित करने की मांग की है।

कुछ दिन पहले ही कल्याण पश्चिम विधानसभा क्षेत्र के अटाली वडवली क्षेत्र के नागरिकों ने वार्ड क्षेत्र कार्यालय पर रैली निकालकर कम जलापूर्ति की मांग की थी इसका हवाला देते हुए विधायक विश्वनाथ भोईर ने कहा कि सिर्फ यहीं नहीं बल्कि तिलक चौक, पार नाका, बेतुरकर पाड़ा, राम बाग, जोशी बाग, उंबरडे जैसे हर इलाके में मानसून के दौरान पानी का रिसाव हो रहा है। इसलिए विधायक भोईर ने इस अवसर पर इस बात पर जोर दिया कि कल्याण डोंबिवली के नागरिकों के लिए एक अलग जल आपूर्ति योजना को मंजूरी देने की सख्त जरूरत है।

विधायक विश्वनाथ भोईर कल्याण डोंबिवली मनपा के लिए एक अलग डैम की मांग लगातार कर रहे हैं और इस डैम के आरक्षण की घोषणा मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने कल्याण में एक सार्वजनिक कार्यक्रम में की थी। इस पृष्ठभूमि में, दिसंबर 2023 में ठाणे जिला कलेक्टर की अध्यक्षता में आयोजित बैठक में मनपा आयुक्त जल संसाधन विभाग के अधिकारी भी उपस्थित थे। इस बैठक में विधायक भोईर ने इस बात को लेकर नाराजगी जताई कि ठाणे जिला कलेक्टर के निर्देश के बावजूद प्रशासन स्तर पर कोई कार्रवाई नहीं की गई। साथ ही, विधायक विश्वनाथ भोईर ने सरकार से वर्तमान जल समस्या के समाधान के साथ-साथ भविष्य की आबादी के लिए पर्याप्त पानी प्राप्त करने के लिए जल्द से जल्द कुशीवली डैम को कल्याण डोंबिवली मनपा को आरक्षित करने की कार्रवाई करने का आग्रह किया हैं।

बादल फटने से जलमग्न हुआ जलगांव

दोपहर संवाददाता । जलगांव

शनिवार को रातभर हुई बारिश से जलगांव तहसील में पेड़ उखड़ गए। शहर समेत पूरे जलगांव तहसील में भारी बारिश से पूरा तहसील जलमग्न हो गया। जलगांव तहसील में एक ही रात में 81 मिमी बारिश हुई है। तहसील के नशीराबाद, भोकर, पिंपराला इलाकों में बादल फटने जैसी बारिश हुई है। तहसील के चार राजस्व मंडलों में भारी बारिश की सूचना मिली है।

जानकारी के अनुसार जलगांव तहसील के नशीराबाद राजस्व मंडल में 117 मिमी और असोदा राजस्व मंडल में 99 मिमी बारिश हुई। शहर में एक ही रात में 78 मिमी बारिश हुई। जलगांव तहसील में भारी बारिश से कृषि फसलों को नुकसान हुआ है। तहसील के आव्हाणे, लानलदा, भोकर, नशीराबाद, आसोदा, ममुराबाद, भादली, विदगांव थिथकानी में बारिश के कारण खेतों में पानी भर गया।

चारों तरफ सिर्फ पानी ही पानी

फसलों को हुआ नुकसान

भारी बारिश के कारण खरीफ की फसलें पानी में डूब गई। मौसम विभाग का अनुमान है कि जिले में बारिश में बढ़ोतरी होगी। बंगाल की खाड़ी के ऊपर कम दबाव का क्षेत्र बनने से एक सप्ताह के अंदर पूरे जिले में भारी बारिश का अनुमान है।

शहर की सड़कों पर पानी ही पानी

शहर के पिंपराला क्षेत्र में सावखेड़ा से सोनी नगर की ओर जाने वाली सड़क पर चैतन्य किराना दुकान के सामने सड़क पर गंदा पानी जमा होने से तालाब जैसी स्थिति बन गई।

स्वास्थ्य एवं शिक्षा क्षेत्र में ठाणे जिले के लिए मिलेगी अतिरिक्त राशि : पालक मंत्री

दोपहर संवाददाता । ठाणे

राज्य उत्पादन शुल्क एवं पालक मंत्री ठाणे के शंभुराज देसाई ने जिला योजना समिति की बैठक के बाद ठाणे जिला में स्वास्थ तथा शिक्षा विभाग के लिए अतिरिक्त राशि आबंटित करने की घोषणा की है।ठाणे जिले के विकास कार्यों की समीक्षा करते हुए ठाणे के संरक्षक मंत्री देसाई ने कहा कि इस वर्ष ठाणे जिले को जिला योजना समिति को अनुमोदित बजट से अधिक अतिरिक्त धनराशि दी गई है। उल्लेखनीय है कि ठाणे जिला राज्य का दूसरा सबसे अधिक वित्त पोषित जिला है। इस बैठक में 2023-24 में व्यय की समीक्षा और 2024-25 में व्यय की योजना पर चर्चा भी की गई.। उन्होंने यह भी बताया कि इसके अलावा आगामी संभावित चुनाव को देखते हुए इस वर्ष की धनराशि समय पर खर्च हो, इसके लिए संबधित सभी अधिकारी ठीक से योजना बनाएं। जिला योजना समिति की धनराशि में कोई कटौती नहीं होगी। इसलिए सभी धनराशि निर्धारित समय के अंदर खर्च कर ली जाए। इसके लिए सभी व्यवस्थाओं को प्रयास करना चाहिए। इस अभिनव पहल को स्वास्थ्य और शिक्षा विभाग पर ही खर्च किया जाएगा।

ठाणे जिला पालक मंत्री देसाई ने भरोसा दिलाया कि जिले में मॉडल मराठी स्कूल बनाने के लिए स्मार्ट प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों और जिला परिषद और नगर निगम स्कूलों को धन शीघ्र ही उपलब्ध कराया जाएगा। इसके लिए सीएसआर से भी धनराशि भी उपलब्ध करायी जायेगी। इस अवसर पर लोक निर्माण मंत्री रवींद्र चव्हाण ने उपस्थित सभी एजेंसियों को निर्देश दिये कि सरकार की सभी कल्याणकारी योजनाओं को क्रियान्वित किया जाये। सरकारी योजनाएं समाज के सभी वर्गों तक पहुंचनी चाहिए। इसके लिए सरकार की ओर से कई प्रावधान किये गये हैं। ये योजनाएं 15 अगस्त, 2024 तक शुरू होनी चाहिए।

लाडकी बहिन योजना के लिए आवेदन करने आए लोगों ने

आंगनवाडी कार्यकर्ता को पीटा

दोपहर संवाददाता । नासिक

महाराष्ट्र सरकार ने लाडली बहन योजना के दस्तावेज जमा करने की जिम्मेदारी आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं को दी है। मालेगांव (नारडाणे आदिवासी वस्ती, पो. कलवाड़ी) की आंगनवाड़ी कार्यकर्ता खत्याबाई कौतिक बोराले पर योजना के दस्तावेज एकत्र करते समय मालेगांव के कुछ पुरुषों और महिलाओं ने हमला कर दिया। परिवार में 4 बेटियां होने और योजना का लाभ नहीं मिलने की बात कहने पर यह हमला किया गया।

सरकार की 'लाडकी बहिण योजना' के दस्तावेज जमा करने की जिम्मेदारी आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं को सौंपी गई है। यही काम मालेगांव की खत्याबाई कौतिक बोराले भी कर रही थीं। बोराले ने एक महिला से कि कहा कि परिवार में 4 बेटियां हैं, संबंधित लाभार्थी नियमों में फिट नहीं बैठती है।

आंगनवाड़ी कार्यकर्ताएं करेंगी आंदोलन

अखिल भारतीय मजदूर संघ कांग्रेस (आयटक) ने मांग की है कि सरकार को इस संबंध में आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं की सभी जिम्मेदारी स्वीकार करनी चाहिए। इस संबंध में आंगनवाडी कार्यकर्ता जल्द ही आंदोलन करेंगी।

परिवार की दो महिलाओं को मिलेगा लाभ

बता दें कि महाराष्ट्र सरकार की माझी लाडकी बहिन योजना का आवेदन ऑफलाइन और ऑनलाइन कर सकते है। शुरुआत में इस योजना का लाभ एक परिवार में एक ही महिला को मिलना था पर उपमुख्यमंत्री फडणवीस ने इस योजना का लाभ एक परिवार में दो महिलाओं देने का निर्णय था। इसमें एक विवाहित और एक अविवाहित को भी इस योजना का लाभ दिया दिया जाएगा।

भिवंडी पढ़ेगा, भिवंडी बढ़ेगा

दोपहर संवाददाता । भिवंडी

अहतेसाब फाउंडेशन और समाजवादी पार्टी के विधायक रईस शेख की ओर से भिवंडी के फरहान खान हॉल में पुस्तक वितरण और विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। खास बात यह रही कि भारी बारिश के बावजूद इस शैक्षणिक कार्यक्रम में बड़ी संख्या में शिक्षक, अभिभावक और बच्चे पहुंच कर शिक्षा के प्रति अपनी प्राथमिकताएं और महत्व को दर्शाया। इस कार्यक्रम में नन्हे-मुन्नों द्वारा किए गए हार्दिक स्वागत से लेकर अनुकरणीय प्रदर्शन और रोमांचक लकी ड्रा तक, कार्यक्रम का हर पल यादगार रहा। लकी ड्रा जीतने वाले छात्र, छात्रा और शिक्षक को अहतेसाब फाउंडेशन के अध्यक्ष और विधानसभा सदस्य रईस शेख की तरफ से बधाई दी गई। इस लकी ड्रा के विजेताओं को मोबाइल टैबलेट दिया गया। इस कार्यक्रम में भिवंडी के नगरपालिका स्कूलों में 80 हजार से अधिक किताबें वितरित की गईं, इस दौरान कई शिक्षक और छात्र उपस्थित थे जिन्होंने विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए और विधायक रईस शेख द्वारा भिवंडी में शिक्षा और विकास कार्यों के लिए लगाए गए फंड की जानकारी दी गई। इस अवसर पर रईस शेख ने कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए सभी प्रतिभागियों को धन्यवाद दिया। रईस शेख ने कहा कि शिक्षकों का बच्चों को शिक्षा से लैस करने और बच्चों के अंदर शिक्षा प्राप्त करने का जुनून सभी के लिए प्रेरणास्रोत है। उन्होंने भिवंडी के लिए कई डिजिटल कक्षा परियोजना और एक नगरपालिका स्कूल में नेहरू विज्ञान केंद्र के एक लघु संस्करण बनाने का वादा किया।

जलगांव में चलती ट्रेन पर पथराव

दोपहर संवाददाता । जलगांव

जलगांव में एक पैसेंजर ट्रेन पर पत्थरबाजी की घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। वीडियो में देखा जा सकता है कि ट्रेन के बाहर सैंकड़ों की संख्या में लोग खड़े हैं और अचानक ही ट्रेन पर पथराव शुरू हो जाता है। वीडियो में महिलाओं और बच्चों की चीख-पुकार सुनाई दे रही है। जानकारी के मुताबिक, यह घटना 12 जुलाई की है। एक पैसेंजर ट्रेन भुसावल से नंदुरबार जा रही थी। करीब 11 बजे यह ट्रेन अमलनेर से आगे बढ़ी। स्टेशन क्रॉस होने के करीब 10 मिनट बाद कुछ लोगों ने चेन खींचकर ट्रेन को रोक दिया। ट्रेन रूकने के बाद सैंकड़ों की संख्या में लोग उस ट्रेन से उतरे। उतरने वाली इसी भीड़ ने ट्रेन पर पत्थर बरसाने शुरू कर दिए।

पेंट्री कार कर्मचारी और खाद्य स्टाल स्वच्छता प्रोटोकॉल का पालन करें : मध्य रेलवे

उल्लंघन करने वालों को कड़ी सजा दी जाएगी

दोपहर संवाददाता । मुंबई

मध्य रेल के विभिन्न स्टेशनों पर खाद्य स्टालों को भी स्वच्छता नियमों और प्रोटोकॉल का उल्लंघन करने के खिलाफ चेतावनी दी गई है और सख्त संदेश दिया गया है कि उल्लंघन करने वालों से गंभीरता से निपटा जाएगा। यह 11.7.2024 को अवध असम एक्सप्रेस में हुई एक हालिया घटना के मद्देनजर किया गया है। बता दें कि 11 जुलाई को अवध असम एक्सप्रेस की पेंट्री कार से कचरे के गैर जिम्मेदाराना निपटान को उजागर करने वाले एक नागरिक द्वारा सोशल मीडिया पर पोस्ट की गई एक वीडियो शिकायत के बाद तिनसुकिया डिवीजनल रेलवे

मैनेजर (डीआरएम) ने तुरंत निर्णायक कार्रवाई की। शिकायत प्राप्त होने पर तिनसुकिया डिवीजन के डीआरएम ने तुरंत भारतीय रेलवे खानपान और पर्यटन निगम (आईआरसीटीसी) के साथ समन्वय करके संबंधित लाइसेंसधारी के खिलाफ 15 हजार रुपये का भारी जुर्माना लगाया। इसके अतिरिक्त, सभी ट्रेनों में स्वच्छता प्रोटोकॉल का कड़ाई से गाई से पालन सुनिश्चित करने के लिए एक सख्त चेतावनी जारी की गई। इसके अलावा, ईस्ट सेंट्रल रेलवे के रेलवे सुरक्षा बल (आरपीएफ) के साथ मिलकर जहां यह घटना हुई. इस दुर्व्यवहार के लिए जिम्मेदार संविदा कर्मचारियों की पहचान करने और उन्हें गिरफ्तार करने के लिए त्वरित कार्रवाई की गई। संबंधित पेंट्री कार कर्मचारी को गिरफ्तार कर लिया गया है, तथा जवाबदेही सुनिश्चित करने और भविष्य में इस तरह के व्यवहार को रोकने के लिए रेलवे अधिनियम के तहत मामला दर्ज किया गया है।

फडणवीस, भुजबल के दबाव के कारण मराठा आरक्षण मुद्दा सुलझ नहीं पाया है: जरांगे

दोपहर संवाददाता । जालना

आरक्षण कार्यकर्ता मनोज जरांगे ने रविवार को दावा किया कि महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस और राज्य के मंत्री छगन भुजबल के दबाव के कारण मराठा आरक्षण का मुद्दा सुलझ नहीं पाया है। जरांगे ने 13 जुलाई की मध्य रात्रि तक मराठों को आरक्षण देने में विफल रहने पर 20 जुलाई से अनिश्चितकालीन अनशन की घोषणा की थी। जालना जिले के अंतरवाली सराटी गांव में पत्रकारों से बातचीत में जरांगे ने कहा,'सरकार ने इस मुद्दे पर ध्यान नहीं दिया है, हालांकि 13 जुलाई की समयसीमा बीत चुकी है। मेरा मानना है कि फडणवीस और भुजबल ने सरकार पर मराठा आरक्षण की समस्या का समाधान न करने के लिए दबाव डाला होगा।'

जरांगे सभी कुनबी (कृषक) और उनके रक्त संबंधियों को मराठा के रूप में मान्यता देने के लिए ओबीसी प्रमाण पत्र की मांग करते हुए विरोध प्रदर्शनों का नेतृत्व कर रहे हैं। फरवरी में, महाराष्ट्र विधानसभा ने विरोध प्रदर्शनों के बीच शिक्षा और सरकारी नौकरियों में समुदाय के लिए 10 प्रतिशत आरक्षण प्रदान करने वाला विधेयक पारित किया। कार्यकर्ता ने दावा किया कि मराठा उप-कोटा समिति के सदस्य राज्य मंत्री शंभूराज देसाई ने उनसे संपर्क नहीं किया है। जरांगे ने कहा, 'हमें देसाई पर भरोसा था, लेकिन उन्होंने अभी तक हमसे संपर्क नहीं किया है। हो सकता है कि उन पर कार्यकर्ताओं से बातचीत न करने का दबाव हो।'

जरांगे ने कहा कि 20 जुलाई को मराठा नेताओं की बैठक के बारे में निर्णय लिया जाएगा और वे तय करेंगे कि समुदाय आगामी राज्य विधानसभा चुनावों में 288 उम्मीदवार उतारेगा या मुंबई में विरोध मार्च निकालेगा। उन्होंने कहा, 'हमें अपना अधिकार पाने के लिए मुंबई जाना होगा। शांतिपूर्ण विरोध प्रदर्शन करना हमारा लोकतांत्रिक अधिकार है।' कार्यकर्ता ने भुजबल पर मराठा आरक्षण के खिलाफ अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) को भड़काने का आरोप लगाया, लेकिन विश्वास जताया कि समुदाय अंततः मंत्री की चाल को समझ जाएगा। जरांगे ने दावा किया कि भुजबल ने धनगर समुदाय को मराठा के खिलाफ खड़ा कर दिया है। उन्होंने सुझाव दिया कि धनगर समुदाय को अनुसूचित जनजाति (एसटी) श्रेणी के तहत कोटा की मांग करनी चाहिए।

दो बजे दोपहर

मुंबई, नवी मुंबई, ठाणे, पालघर, रायगढ़, नासिक, पुणे से एक साथ प्रकाशित

पत्रकारिता पावर नहीं रिस्पांसिबिलिटी है

अनमोल विचार हम एक दूसरे को जीवंत बनाते हैं : अर्न्स्ट इंगमार बर्गमैन

मुंबई में एक चॉल के पांच कमरों के ढह जाने से तीन महिलाएं हुईं घायल

दोपहर संवाददाता । मुंबई

मुंबई के कुर्ला इलाके में रविवार दोपहर एक चॉल में पांच कमरे ढह जाने से तीन महिलाएं घायल हो गयीं। अग्निशमन विभाग के एक अधिकारी ने यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि यह हादसा करीब दो बजे अंधेरी-कुर्ला मार्ग पर राधा नगर चॉल में हुआ। उन्होंने बताया कि इस हादसे में आफरीन शेख (25), रासिका नादर (35) और एक्सटर नादर (67) घायल हो गयीं और उनका एक अस्पताल में इलाज में चल रहा है। अधिकारी ने बताया कि अग्निशमन विभाग, एंबुलेंस और अन्य सहायता एजेंसियों ने उनके लिए बचाव अभियान चलाया।

जरांगे के भूत को बोतल में बंद करके समुद्र में फेंक दें: लक्ष्मण हाके

मुंबई। ओबीसी नेता प्रो. लक्ष्मण हाके ने रविवार को मराठा आंदोलनकारी मनोज जरांगे पाटिल को लेकर कुछ ऐसा कह दिया है जिसकी वजह से मराठा और ओबीसी समाज के बीच कटुता और बढ़ सकती है। हाके ने चेतावनी दी कि यदि मनोज जरांगे नामक भूत हावी हुआ तो सरकार को भारी कीमत चुकानी पड़ेगी। ओबीसी आंदोलनकर्ता लक्ष्मण हाके ने सांगली में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा कि जरांगे के भूत को बोतल में बंद करके समुद्र में फेंक देना चाहिए। इस मौके पर हाके ने मराठा युवकों की आत्महत्या के लिए मनोज जरांगे को जिम्मेदार ठहराया। इसके साथ ही उन्होंने यह भी कहा कि आप मुख्यमंत्री, गृह मंत्री को गाली दे रहे हो, यह महाराष्ट्र की 12 करोड़ जनता का अपमान है।

जरांगे की लड़ाई आम मराठों के लिए नहीं

इस मौके पर प्रो. हाके ने कहा कि मनोज जरांगे ने सगे-सोयरे को आरक्षण नहीं मिलने पर महायुति के 288 विधायकों को गिराने की चेतावनी दी है। यह उनके राजनीतिक एजेंडे को दर्शाता है। क्योंकि जिन्हें उन्होंने गिराने की चेतावनी दी, वे सभी उनके विधायक हैं। जरांगे की लड़ाई जरूरतमंद मराठों की नहीं बल्कि उन लोगों की है जो आज तक सत्ता में हैं। क्योंकि वे सामान्य तौर पर सगे-सोयरे और मराठा समुदाय के लिए आरक्षण की मांग कर रहे हैं। जबकि सगे-सोयरे की परिभाषा संविधान में ही नहीं है। इस मौके पर ओबीसी नेता पूर्व विधायक प्रकाश शेंडगे ने कहा कि जरांगे ने आंदोलन की चेतावनी दी है। इससे दबाव में आकर सरकार कोई गलत निर्णय लेती है तो ओबीसी समुदाय चुप नहीं बैठेगा। हम भी चेतावनी देते हैं कि हम अपने अधिकारों के लिए लड़ाई तेज करेंगे। हम मुंबई को जाम कर देंगे। इस दौरान उनके साथ पूर्व महापौर संगीता खोत, पूर्व नगरसेवक विष्णु माने आदि मौजूद थे।

नासिक-मुंबई हाईवे पर भीषण हादसा

ट्रेलर ने पांच कारों को मारी टक्कर, 14 लोग घायल

नासिक। नासिक मुंबई राजमार्ग पर नवीन कसारा घाट पर एक भयानक दुर्घटना में 13 से 14 यात्री घायल हो गए। कसारा घाट में ब्रेक पॉइंट के पास एक ट्रेलर ने 5 वाहनों को टक्कर मार दी। इस टक्कर में पांचों वाहनों को काफी नुकसान पहुंचा है। हादसे में 13 से 14 यात्री घायल हो गए हैं। दुर्घटना की जानकारी मिलते ही हाईवे पुलिस की रूट पेट्रोलिंग टीम और एंबुलेंस को मौके पर भेजा गया। गंभीर मरीजों को प्राथमिक उपचार देकर खर्डी स्थित जिला उपअस्पताल भेजा गया। पिछले 3 दिनों से भारी बारिश हो रही है और इस बारिश की वजह से कसारा घाट में झरने बन गए हैं। यात्रियों द्वारा झरने के बीच में नहाने और सेल्फी लेने के लिए वाहन पार्क करने से दुर्घटनाएं हो रही हैं। यह दुर्घटना तब हुई जब कसारा घाट के ब्रेक पॉइंट के पास 6 से 7 वाहन सड़क पर यात्रा कर रहे थे, तभी एक ट्रेलर ने इन वाहनों को टक्कर मार दी। ट्रेलर के ब्रेक फेल होने के कारण यह हादसा हुआ।

जानकारी के अनुसार शनिवार को दोपहर करीब 3 बजे नए कसारा घाट में वॉटरफॉल प्वाइंट के पास ट्रेलर नंबर जीजे 12/ एयू 7171 का ब्रेक फेल हो जाने से सामने चल रही 5 कारें मारुति सियाज (एमएच 03/ सीएस 4929 2), हुंडई आई 10 (MH 05/EJ 0937 3), किआ कार (MH 47/4411 4), मारुति बलेनो (MH 48/ AW 0430 5), मारुति स्विफ्ट (MH 15/GL 3557) कंटेनर की चपेट में आ गए और ट्रेलर भी पलट गया।

हादसे में ये हुए घायल

इस हादसे में विनीत मेहता, दिव्या मेहता, जितेश पिटाड़िया, फाल्गुनी पिटाड़िया घायल हो गए। इसके अलावा अन्य 3 घायलों के नाम पता नहीं चल सके हैं। कसारा पुलिस स्टेशन में मामला दर्ज कर लिया गया है और आगे की जांच कसारा पुलिस कर रही है। हाईवे पुलिस ने निजी क्रेन की मदद से दुर्घटनाग्रस्त कार को हटवाकर यातायात सुचारू कराया।

यात्री करते है फोटोशूट

सैकड़ों पर्यटक, मोटर चालक नए कसारा घाट पर बहते झरने का आनंद लेने के लिए, तस्वीरें लेने के लिए अपनी कारों को रोकते हैं या धीमी गति से चलते हैं। वहीं, उंट दरी के पास पर्यटक सड़क पर बड़ी संख्या में गाड़ियां खड़ी कर फोटो शूट करते हैं। ऐसे में मांग है कि टोल कंपनी और पुलिस दोनों खतरनाक जगहों पर कोई समाधान योजना बनाए।

विरोधियों पर बरसे अजित पवार

विधानसभा चुनाव से पहले बारामती में किया शक्ति प्रदर्शन

दोपहर संवाददाता । मुंबई

विधान परिषद में मिली सफलता के बाद उप मुख्यमंत्री अजित पवार ने 14 जुलाई को बारामती में 'जन सम्मान रैली' के माध्यम से जनता को संबोधित किया। इस मौके पर उन्होंने भरी बरसात में लाडली बहन योजना के बारे में लोगों को बताया और योजना की आलोचना करने वाले विरोधियों पर जमकर बरसे। अजित पवार ने कहा कि मुझे झूठ बोलने की आदत नहीं है। झूठ बोलो और पूरा दम लगाकर झूठ बोलो, ऐसी विरोधियों की फितरत बन गई है। लेकिन सफलता मिले तो वह सुपाच्य होनी चाहिए और यदि असफलता मिले तो उससे भी हताश नहीं होना चाहिए।

उपमुख्यमंत्री ने कहा कि लोकसभा चुनाव के नतीजों के बाद मैं पहली बार बारामती में आपके सामने आया हूं। इसका उद्देश्य विकास और गरीब लोगों की मदद करना है। पूरे राज्य में विधानसभा चुनाव के मौके पर हम राज्य के कोने-कोने में जाएंगे और लोगों तक अपनी बात पहुंचाने की कोशिश करेंगे। लाडली बहन योजना के बारे में बात करते हुए अजित पवार ने कहा कि "हम अपनी बात के पक्के हैं। जब मुझे वित्त मंत्रालय मिला तो मैंने सोचा कि हमें विकास और गरीबी के लिए महत्वपूर्ण कदम उठाने होंगे। इसी तरह फैसला लिया गया और लाडकी बहिन योजना लाई गई।"

हम माताओं और बहनों की मदद करना चाहते है

बारामती में सभा को संबोधित करते हुए अजित पवार ने कहा कि कुछ विरोधियों ने इसके लिए हमारी आलोचना भी की, लेकिन मैंने उन्हें नजरअंदाज कर दिया। उन्हें ज्यादा महत्व नहीं दिया गया। मुझे विश्वास था कि हम इस योजना को अच्छे से क्रियान्वित कर सकेंगे। क्योंकि, इससे हम अपनी मां-बहनों की मदद करना चाहते थे। हमने इसी जुलाई से अपना काम शुरू कर दिया है।

आप सिर्फ आवेदन करें

उपमुख्यमंत्री अजित पवार ने महिलाओं से अपील करते हुए कहा कि मैं प्रदेश की माताओं, बहनों और बेटियों से कहना चाहता हूं कि आप सिर्फ आवेदन करें, वह आवेदन समय पर कैसे स्वीकृत होगा? हम इसका ख्याल रखेंगे। यह आपका अधिकार है। चिंता न करें, आप बहकावे में न आएं।

कोई पात्र महिला नहीं रहेगी लाभ से वंचित

इस दौरान बारामती स्थित बारामती पंचायत समिति में 'मुख्यमंत्री माझी लाडकी बहिन' योजना के तहत आयोजित कार्यक्रम में अजित ने कहा कि इस योजना के तहत समाज के सभी वर्गों की पात्र महिलाओं को 1,500 रुपए का लाभ दिया जाएगा। इसके लिए महिलाओं को 31 अगस्त तक आवेदन करना होगा। प्रदेश की कोई भी पात्र महिला इस योजना के लाभ से वंचित नहीं रहेगी। इस मौके पर विधायक अमोल मिटकरी, उपविभागीय अधिकारी वैभव नावडकर, समूह विकास अधिकारी डॉ. अनिल बागल, सहायक समूह विकास अधिकारी नंदन जरांडे, बाल विकास परियोजना अधिकारी अभिमान माने आदि उपस्थित थे।

किसान करेंगे केंद्र सरकार के खिलाफ 9 अगस्त को विरोध प्रदर्शन

संयुक्त किसान मोर्चा ने दिया कॉरपोरेट्स भारत छोड़ो नारा

16, 17, 18 जुलाई को प्रधानमंत्री, नेता प्रतिपक्ष और सांसदों को ज्ञापन और मांग पत्र सौपेंगे

मुंबई। भारत को डब्ल्यूटीओ से बाहर लाने और कृषि उत्पादन और व्यापार में बहुराष्ट्रीय कंपनी पर प्रतिबंध की मांग को लेकर फिर एक बार देश के किसानों ने सरकार के खिलाफ लड़ने का मन बना लिया है। 9 अगस्त को संयुक्त किसान मोर्चा(एसकेएम) 'कॉरपोरेट्स भारत छोड़ो दिवस' के रूप में मनाएगा और मांग पत्र के समर्थन में पूरे देश में विरोध प्रदर्शन करेगा। एसकेएम ने केंद्र सरकार के खिलाफ किसान आंदोलन का बिगुल फूंका है।

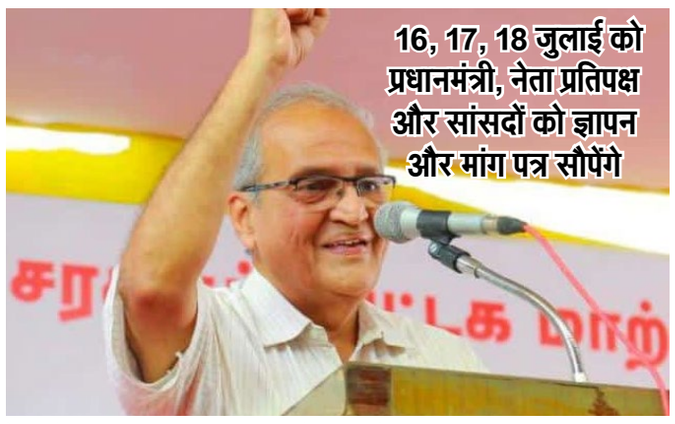

एसकेएम ने कृषि के लिए अलग बजट, केंद्र सरकार में सहकारिता मंत्रालय को समाप्त करने, कृषि लागत पर जीएसटी नहीं लगाने, सहकारी संघवाद के आधार पर मजबूत संघ के लिए मजबूत राज्य के उद्देश्य से कराधान पर राज्य सरकार के अधिकार को सुनिश्चित करने के लिए जीएसटी अधिनियम में संशोधन और राष्ट्रीय जल संसाधन नीति की मांग की। एसकेएम एमएसपी कानून की गारंटी, ऋण मुक्ति, फसल बीमा, किसानों और खेतिहर मजदूरों के पेंशन, बिजली के निजीकरण को वापस लेने और अन्य लंबित मांगों को लेकर फिर से आंदोलन की शुरूआत करेगा। एसकेएम 9 अगस्त को 'कॉरपोरेट्स भारत छोड़ो दिवस' के रूप में मनाएगा, साथ ही मांग करेगा और केंद्र सरकार के खिलाफ देश के किसान फिरसे आंदोलन करेंगे। यह चेतावनी अखिल भारतीय किसान सभा के अध्यक्ष और संयुक्त किसान मोर्चा के नेता डॉ. अशोक ढवळे ने दी है।

16, 17, 18 जुलाई को प्रधानमंत्री, नेता प्रतिपक्ष और सांसदों को ज्ञापन और मांग पत्र सौपेंगे, यह कहते हुए डॉ. अशोक ढवळे ने आगे कहा की, 9 दिसंबर 2021 के समझौते में सभी फसलों की खरीद के साथ C2 + 50% की दर से कानूनी रूप से गारंटीकृत एमएसपी सुनिश्चित करना, प्रीपेड स्मार्ट मीटर और बिजली क्षेत्र का निजीकरण नहीं करना, ऐतिहासिक किसान आंदोलन के दौरान शहीद हुए सभी परिवारों को मुआवजा देना, किसान आंदोलन के दौरान किसानों पर दर्ज किए गए सभी मामलों को वापस लेना और पराली जलाने से होने वाले प्रदूषण नियंत्रण पर अधिनियम में संशोधन करके किसानों को आपराधिक दायित्व से मुक्त करना शामिल है। 736 शहीदों के सर्वोच्च बलिदान और 384 दिनों (26 नवंबर 2020 से 11 दिसंबर 2021)तक दिल्ली की सीमाओं पर लगातार और जुझारू संघर्ष में भाग लेने वाले लाखों किसानों की पीड़ा के बाद किए गए समझौते का उल्लंघन किया। इसलिए संयुक्त किसान मोर्चा ने एनडीए की किसान विरोधी सरकार की कड़ी निंदा की है।

ट्रेनी IAS पूजा खेडकर पर पुलिस का तगड़ा एक्शन

ऑडी कार जब्त, अब तक 21 चालान

पुणे। पुणे पुलिस ने विवादों में रहीं ट्रेनी IAS पूजा खेडकर द्वारा कथित तौर पर लाल बत्ती लगाकर अवैध रूप से इस्तेमाल की गई 'लग्जरी कार' आज जब्त कर ली है। पुलिस ने पुणे क्षेत्रीय परिवहन कार्यालय (RTO) ने शहर की एक निजी कंपनी को बीते गुरुवार को नोटिस जारी किया था।

दरअसल पूजा खेडकर की यहां नियुक्ति के दौरान उनके द्वारा इस्तेमाल की गई 'ऑडी' कार इसी कंपनी के नाम से पंजीकृत है। अधिकारियों के अनुसार, पंजीकृत उपयोगकर्ता का पता हवेली तालुका के शिवाने गांव उल्लेख किया गया था। पुणे RTO की मानें तो मुताबिक ट्रेनी IAS पूजा खेडकर पहले भी यातायात नियमों का उल्लघंन कर चुकी हैं। इस कार का 21 बार चालान हो चुका है। अधिकारी कार को जब्त करने के बाद दस्तावेजों की जांच कर रहे हैं। ट्रेनी IAS खेडकर हाल में पुणे में अपने पदस्थापन के दौरान अलग कक्ष और कर्मचारी जैसी मांगों को लेकर विवाद खड़ा करने के बाद चर्चा में रही थीं। IAS में चुने जाने के लिए उन्होंने दिव्यांगता और अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) कोटा का कथित तौर पर दुरुपयोग किया था। खेडकर ने 'ऑडी' कार पर कथित तौर पर लाल बत्ती का इस्तेमाल किया और बिना अनुमति उसपर ''महाराष्ट्र सरकार'' भी लिखवाया था।

इस विवाद के बाद, उन्हें प्रशिक्षण पूरा होने से पहले पुणे से वाशिम जिले में स्थानांतरित कर दिया गया था। पुलिस ने आज बताया कि, ''खेडकर जिस निजी कार का इस्तेमाल कर रही थीं, उस पर लाल बत्ती और सरकारी चिह्न के अनधिकृत इस्तेमाल को लेकर ट्रेनी IAS को नोटिस जारी किया गया था। कार को जब्त कर लिया गया है, उसके दस्तावेजों की जांच की जाएगी और हम मामले की जांच कर रहे हैं।"

जानकारी दें कि ट्रेनी IAS पूजा खेडकर का परिवार भी काफी संपन्न है। खेडकर के पिता जहां एक तरफ सरकारी नौकरी से रिटायर होने के बाद राजनीति में अपनी किस्मत चमका रहे हैं, वहीं उनकी मां सरपंच हैं। पूजा के भाई लंदन से पढ़ाई कर रहे हैं। उनके परिवार की चर्चा तब से और हो रही है जब से यह खुलासा हुआ है कि ट्रेनी IAS खेडकर ने UPSC परीक्षा में खुद को नॉन क्रीमी लेयर OBC बताया है, जबकि उनके पिता और खुद उनकी संपत्ति करोड़ों में बताई जा रही है।

चंद्रबाबू नायडू महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री शिंदे से मिले, विभिन्न क्षेत्रों में सहयोग पर चर्चा की

दोपहर संवाददाता । मुंबई

आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री चंद्रबाबू नायडू ने रविवार को महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे से उनके आवास पर मुलाकात की और मौजूदा राजनीतिक परिदृश्य तथा बुनियादी ढांचे और अर्थव्यवस्था सहित विभिन्न क्षेत्रों में सहयोग पर चर्चा की। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री कार्यालय ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा कि शिंदे और नायडू ने प्रगति के लिए अपने राज्यों के बीच सहयोग पर चर्चा की। बैठक में नागर विमानन मंत्री किंजरापु राममोहन नायडू, महाराष्ट्र के लोक निर्माण विभाग (पीडब्ल्यूडी) के मंत्री दादा भुसे, मुख्यमंत्री शिंदे के बेटे और सांसद श्रीकांत शिंदे मौजूद थे। मुख्यमंत्री शिंदे के करीबी सूत्रों के अनुसार, शिंदे के आधिकारिक आवास वर्षा में दोनों मुख्यमंत्रियों ने करीब आधे घंटे तक बातचीत की। उन्होंने बताया कि मौजूदा राजनीतिक स्थिति समेत विभिन्न विषयों पर चर्चा हुई। सूत्रों ने बताया,'शिंदे और नायडू ने दोनों राज्यों के बीच सामाजिक और सांस्कृतिक आदान-प्रदान और सहयोग पर भी चर्चा की। उन्होंने बुनियादी ढांचे के विकास और डिजिटल क्षेत्र में अवसरों के विस्तार से संबंधित मुद्दों पर भी चर्चा की।' शिंदे की पार्टी शिवसेना और नायडू की तेलुगु देशम पार्टी (तेदेपा) भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) नीत राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) का हिस्सा हैं।

नोटीस

कल्याण के सभी सुन्नी हनफी / शाफई मुसलमानों को यह जरूरी सूचना दी जाती है की नीचे दिए हुए ट्रस्ट के संबंध में एक अहम मिटींग दिनांक २० जुलै २०२४ को दोपहर २ बजे बाद नमाजे जोहर चौधरी मोहल्ला मस्जिद, चौधरी मोहल्ला, कल्याण में रखी गई है, ट्रस्ट की तपशील व चुनाव कार्यक्रम इस प्रकार है।

1)**Mith Bunder Wali Masjid** THN/279/2013
2)**Chaudhary Wali Masjid** THN/272/2013
3)**Lawaris Fund (Mayat)** THN/273/2013
4)**Kadir Shah Takiya** THN/287/2013
5)**Jumma Masjid (Kalyan)** THN/274/2013
6)**Peer Hazrat Shafa Saheb Dargah** THN/277/2013
7)**Kharkhandi Wali Masjid** THN/278/2013
8)**Eidgah Broken Mosque and Takiya** THN/269/2013
9)**General Masjid Fund** THN/281/2013
10)**Anjuman Building** THN/280/2013
11)**Sayyad Shabuddin Kadir Dargah** THN/285/2013
12)**Kali Masjid Kalyan** THN/283/2013
13)**Hazrat Gulam Ali Saheb Dargah** THN/286/2013
14)**Baddu Wali Masjid** THN/276/2013
15)**Hazrat Vali Peer Saheb Dargah** THN/282/2013

Date	Program
20/07/2024	Notification & Publication of Existing Mem. List
22/7/2024 to 26/07/2024 1.00pm. to 3.00 pm.	Issue of New Membership For Submission of New Membership Form
26/7/2024 5.00p.m.	Scrutiny of Membership Form
27/7/2024 2.00p.m to 3.00pm	Objection & Suggestion
27/7/2024 5.00pm	Hearing on Objections
27/7/2024 6.00pm,	Final Membership List Publication
29/07/24 1pm. to 3pm.	Issue & Filing of Nomination Form
29/07/2024 5.00 p.m.	Scrutiny of Nomination Form
30/07/2024 1pm. to 3pm.	Withdrawal of Nomination Form
30/07/2024 5.00pm	Final List of Contesting Candidate
03/08/2024 2pm. to 4pm.	ELECTION
03/08/2024 5.00pm.	Counting & Result

मिटींग के एजंडा इस प्रकार है:—

१) ट्रस्ट के कार्य पर, व्यवस्थापकीय समिती के सदस्य के द्वारा किये गये कार्य, जारी परिस्थिती में ट्रस्ट के कार्य संबंधा में जनता के सामने पेशी करना, व चर्चा करना। २) उपर दिये गये ट्रस्ट के व्यवस्थापकीय समिती का चुनाव, निवडणुक अधिकारी के मार्ग दर्शन में चुनाव कर, उसे द्वारा चुनवा परिणान घोषित कर, इस बाबत मा. महाराष्ट्र राज्य वक्फ मंडळ, औरंगाबाद में सूचना/चेंज रिपोर्ट/अहवाल सादर करना.

टीप : १) सभी सुन्नी हनफी व शाफई मुसलान से विनंती है की दिये गये समय पर उपस्थित रहे, समय में कोई बदलाव नही होगा, उपस्थित लोगा कों कोरम समझा जायेगा। २) सुन्नी हनफी/शाफई हजरात जो ट्रस्ट के व्यवस्थापकीय समिती का चुनाव लडना चाहते हैं व मिटींग में उपस्थित रहकर अपने नाम पेश करें। ३) यह सर्व साधारण /आम मिटींग है, इस में कोई भी व्यक्ति हाजिर हो सकता है, किंतु ऐसे व्यक्ति का मुस्लिम सुन्नी/शाफई होना जरूरी है, वह व उसके परिवार के बुजुर्गों का कल्याण शहर का स्थायी रूप से रहिवासी होना जरूरी है। मिटींग में उपस्थित रहे कर अपने मश्वरों देने की कृपा करें। ४) यदि जरूरी हागा तो ही चुनाव प्रक्रिया पूरी कर चुनाव द्वारा उपर दिये गये ट्रस्टों के व्यस्थापकीय समिती के सदस्यों / ट्रस्टयों को चुना जायेगा, अन्यथा सभी उपस्थित लोगों के संमती से मिटींग में ही उपर दिये गये ट्रस्टों के व्यस्थापकीय समिती के सदस्यों / ट्रस्टयों को चुना जायेगा यह सभी लोग नोट करें।

सही - निवडणुक अधिकारी

संपादकीय

मां के नाम पेड़ और उजड़ते पहाड़

जि एक तरफ तो देश भर में इस समय सामान्य जनों से लेकर विशिष्ट लोग अपनी माताओं के नाम पेड़ लगाने की होड़ में हैं। मुकाबला इस बात का भी है कि कैसे वे पेड़ लगाते हुए अपने फोटो एवं सेल्फियों को सोशल मीडिया पर वायरल करें। दिखावे के लिये ही सही पर इस तरह के अभियानों से किसी का विरोध नहीं है लेकिन दूसरी तरफ यह भी दिखता है कि 'भारत का मुकुट' कहा जाने वाला हिमालय लगातार उजड़ रहा है। इसका कारण है पेड़ों की अनवरत कटाई और वहां विकास का पर्याय बन चुका पर्यटन। पहाड़ों की प्राकृतिक सुषमा को निहारने के लिये आने वालों से लेकर इस पर्वत श्रृंखला में बने आस्था के केन्द्रों में माथा नवाने के लिये लाखों की संख्या में आने वाले श्रद्धालु पर्वतों को बर्बाद करने में एक सरीखा योगदान दे रहे हैं। पिछले कुछ समय से पूरी हिमालयन रेंज में आने वालों की तादाद में अप्रत्याशित रूप से बढ़ोतरी हुई है। खासकर, उत्तराखंड एवं हिमाचल प्रदेश में सबसे ज्यादा लोग जा रहे हैं। यहीं सबसे ज्यादा तबाही देखने को मिल रही है। बद्रीनाथ हाईवे पिछले तीन दिनों से भूस्खलन के कारण जाम हुआ पड़ा है और बड़ी संख्या में तीर्थयात्री यहां फंसे हुए हैं। 10 जून को जैसे ही बद्रीनाथ एवं केदारनाथ मंदिरों के कपाट खुले, लाखों की संख्या में श्रद्धालु उमड़ पड़े थे। चार धाम की यात्रा हर धर्मप्राण हिंदू की सबसे बड़ी इच्छा होती है। 16 जून, 2013 को हुई उत्तराखंड की भीषण त्रासदी में न जाने कितने लोगों की जान गई थी। उसे मानों भुलाकर लोग अगले साल से ही उसी प्रकार इन धार्मिक केन्द्रों में चले आये थे। 11 वर्ष के बाद इस साल लगभग 60 प्रतिशत ज्यादा लोग जून के पहले हफ्ते में ही चार धाम के लिये पहुंचे थे। तब भी केदारनाथ एवं यमुनोत्री में मीलों लम्बा जाम लगा था। शुक्र तो यह था कि उस दौरान न कोई बारिश हुई और न ही भूस्खलन। यहां तक कि सरकार को रजिस्ट्रेशन रोक देना पड़ा था। इसका नतीजा यह हुआ कि वहां पहुंचे लोग राज्य भर में फैल गये थे। चूंकि इस पर्यटन से कथित रूप से सभी पहाड़ी राज्यों की इकानॉमी चलने की बात कही जाती है तो पर्वतों में बड़ी संख्या में होटल, रेस्टारेंट, होमस्टे, रोमांचक खेल आदि के नाम से लाखों की तादाद में पेड़ों को काटा गया। रास्ते चौड़े करने के लिये भी उनकी बलि ली गई। विशेषकर उत्तराखंड एवं हिप्र में यह सर्वाधिक हुआ है। पर्यटकों के जमावड़े ने जहां इन्फ्रास्ट्रक्चर विकसित करने के नाम से पेड़ों की कटाई कराई, वैसे ही बड़ी संख्या में आने वाले वाहनों के कारण पूरा इको सिस्टम ही गड़बड़ा गया है। ग्लेशियरों में जमी बर्फ तेजी से पिघल रही है, नदियों का जल स्तर बढ़ रहा है और त्रासदियों की पुनरावृत्ति हो रही है। इनमें सबसे ज्यादा हादसे भूस्खलन के होते हैं। भूगोल का अध्ययन बतलाता है कि हिमालय पर्वत श्रृंखला अपेक्षाकृत नयी है और वह अब भी निर्माणाधीन है इस कारण यह बेहद संवेदनशील है। इसकी स्वनिर्मित प्रणाली से छेड़छाड़ के नतीजे अच्छे नहीं निकलेंगे। वही देखने को मिल रहा है। जो देखने को नहीं मिल रही है वह है लोगों की जागरूकता और हिमालय सहित देश भर के पारिस्थितिकी तंत्र को बचाने की ललक- न सरकार की ओर से और न ही जनता की तरफ़ से। मैदानों में रहने वालों ने बड़े-बड़े उद्योग लगता हुआ देखने, कल-कारखाने खुलने, मॉल्स में शॉपिग करने, हाईराइज़ सोसायटियों में रहने और फोर लेन-सिक्स लेन सड़कों पर फर्राटे भरने के मोह में अनगिनत पेड़ों को कट जाने दिया और अमूमन दुपहरी में भी 38-40 से ऊपर न जाने वाला पारा जब 48 से 50 डिग्री को छूने लगा तो उन्हें पहाड़ों की हरियाली और ऊंचाइयों की याद आने लगी। हर वर्ष पर्यटकों के नाम से प्रकृति को तबाह करने वालों के झुंड आ रहे हैं और हर वर्ष उनकी संख्या में प्रति वर्ष इज़ाफ़ा हो रहा है। हाल के इन वर्षों में धर्म और उसके नाम पर दिखावे का प्रचलन बढ़ा है, उत्तराखंड और हिमाचल प्रदेशों में स्थित धर्म स्थलों में आने वालों की तादाद भी बढ़ी है। वैसे तो मैदानी इलाकों के ऐसे स्थलों में भी जाने वालों की संख्या में जबर्दस्त इज़ाफ़ा हुआ है परन्तु पहाड़ों की भौगोलिकी कहीं अधिक संवेदनशील होती है जो बड़ी जनसंख्या का भार वहन करने में असमर्थ होते हैं।

भिक्षावृत्ति मुक्त भारत बनाने की राह में चुनौतियां

अब देश में भीख मांगने पर रोक लगेगी क्योंकि उनके संरक्षण और पुनर्वास के लिए कोशिश होगी। देश में भिक्षावृत्ति बढ़ती जा रही है और रोकने की कोई ठोस पहल नहीं हुई है। हालांकि, भिक्षावृत्ति के खिलाफ कुछ राज्यों में कानून भी बने हैं लेकिन वे इसे रोक पाने में सक्षम नहीं हैं। राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग ने केंद्र और राज्य सरकारों को भिखारियों की स्थिति में सुधार व पुनर्वास की सिफारिश की है। आयोग के महासचिव भरत लाल ने कहा है कि भिक्षा में लगे लोगों की मौजूदगी कमजोर समुदायों के सामने आने वाली चुनौतियों को दर्शाती हैं। भिक्षावृत्ति का कारण सिर्फ गरीबी नहीं है बल्कि यह एक सामाजिक और आर्थिक समस्या है जहां शिक्षा और रोजगार से वंचित लोग अपनी आजीविका के लिए भीख मांगने को मजबूर होते हैं। शहरों में धार्मिक और पर्यटन स्थलों पर भीख मांगने वालों में ज्यादातर महिलाएं, बच्चे, किन्नर, बुजुर्ग और दिव्यांग होते हैं। देश में भीख मांगना एक अहम सामाजिक समस्या रही है, जिसके पीछे गरीबी, अशिक्षा, बेरोजगारी, सामाजिक असमानता और दिव्यांगता आदि वजहें हैं।

वर्ष 2011 की जनगणना के अनुसार, जहां देश में करीब चार लाख से अधिक लोग भिक्षावृत्ति से जुड़े हुए थे। फिलहाल उनकी संख्या बढ़कर करीब 7 लाख पहुंचने का अनुमान है। भिखारियों की संख्या बढ़ने का यह अनुमान केंद्रीय सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय की ओर से शहरों को भिक्षावृत्ति मुक्त बनाने को लेकर शुरू किए गए अभियान के दौरान लगा है। शहरों में इस अभियान को शुरू करने से पहले इनका सर्वे कराया गया था। हालांकि, यह योजना मौजूदा समय में करीब 30 शहरों में ही चलाई जा रही है जिसका लक्ष्य 2026 तक भिक्षावृत्ति मुक्त भारत बनाने का है।

हेमलता म्हस्के

भारत के राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग ने आठ प्रमुख क्षेत्रों पर ध्यान केंद्रित करने को कहा है। सिफारिश के मुताबिक केंद्रीय सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्रालय को नगर निगमों और सरकारी एजेंसियों की सहायता से भिक्षावृत्ति में लगे लोगों का एक केंद्रीकृत डेटाबेस बनाने की सलाह दी गई है। आयोग ने भीख मांगने में लगे लोगों के संरक्षण और पुनर्वास पर एक राष्ट्रीय नीति का मसौदा तैयार करने की सिफारिश की है, ताकि लक्षित वित्तीय सहायता, व्यावसायिक प्रशिक्षण, गरीबी उन्मूलन और निरंतर निगरानी और पर्यवेक्षण के साथ रोजगार के अवसरों सहित उनके लिए कल्याणकारी योजनाएं बनाकर कार्यान्वित किया जा सके। आयोग ने कहा है कि सामाजिक सुरक्षा हेतु डिजिटल-प्रिंट मीडिया में जागरूकता अभियान शुरू कर संगठित/ जबरन भीख मांगने की समस्या को सभी रूपों में समाप्त किया जाए। आयोग ने कहा है कि संगठित समूह अक्सर कमजोर बच्चों को भीख मांगने के लिए बाध्य करते हैं। कुछ मामलों में बच्चों को भीख के लिये मजबूर करने हेतु उनका अपहरण तक कर लिया जाता है। जबरन भीख मांगने के किसी भी रैकेट पर अंकुश लगाने के लिए मानव व्यापार विरोधी कानून बनाने के लिए एक समाजशास्त्रीय और प्रभावी आर्थिक मूल्यांकन जरूरी है। इस कानून में अपराधियों के खिलाफ दंडात्मक कार्रवाई सुनिश्चित हो।

आयोग ने इस समस्या के समग्र समाधान हेतु सामाजिक कल्याण हस्तक्षेप, बुनियादी सुविधाओं तक पहुंच, अधिकारों की रक्षा और उन्हें समाज में फिर से शामिल करने में मदद हेतु मजबूत कानूनी ढांचा बनाने की जरूरत बताई है। आयोग ने कहा है कि भीख मांगने के कारणों को सामने लाने के लिए भिखारियों के सर्वेक्षण, पहचान, मानचित्रण और डेटा बैंक तैयार करना, भिक्षावृत्ति में लगे लोगों का पुनर्वास, स्वास्थ्य सेवा, शिक्षा, कानूनी और नीतिगत ढांचा, गैर-सरकारी संगठनों, नागरिक समाज संगठनों, निजी क्षेत्र, धर्मार्थ ट्रस्टों आदि के साथ सहयोग, वित्तीय सेवाओं तक पहुंच, जागरूकता पैदा करना, संवेदीकरण व निगरानी की जाए। आयोग का कहना कि भिक्षावृत्ति में लिप्त लोगों की पहचान प्रक्रिया पूरी होने के बाद, उन्हें शहरों या जिलों में स्थित आश्रय गृहों में लाया जाए। उन्हें निवासियों के रूप में पंजीकृत किया जाए तथा राज्यों/संघ राज्य क्षेत्रों या अधिकृत एजेंसियों में संबंधित विभागों/ नगरपालिकाओं/ ग्राम पंचायतों द्वारा पहचान पत्र जारी किए जाएं; आश्रय गृह उन्हें उचित आवास और भोजन की सुविधा, कपड़े, स्वास्थ्य सेवा, आधार कार्ड, राशन कार्ड और बैंक खाते खोलने में सहायता सहित अन्य जरूरी सेवाएं मुहैया करे। सुनिश्चित करें कि भिक्षावृत्ति में लगे लोगों के पुनर्वास की प्रक्रिया हेतु मानसिक स्वास्थ्य परामर्श, नशामुक्ति और पुनर्वास सेवाएं प्रदान करें। बच्चों को मुफ्त और अनिवार्य शिक्षा सुनिश्चित करने के लिए अनिवार्य शिक्षा के अधिकार अधिनियम, 2009 के तहत सरकारी या निजी स्कूलों में भीख मांगने में शामिल 6-14 वर्ष की आयु के सभी बच्चों को पंजीकृत और नामांकित किया जाए। साथ ही सम्मान से जीने के लिये कौशल विकास और व्यावसायिक प्रशिक्षण दिया जाए।

साथ ही सरकारी तंत्र भिखारियों को उनके हकों के बारे में जागरूक करने के लिए एक जन-संपर्क और मोबिलाइजेशन सिस्टम स्थापित करें ताकि उनका शोषण रोका जा सके। इस लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए, गैर-सरकारी संगठनों और मानव अधिकार संरक्षकों सहित विभिन्न हितधारकों को शामिल किया जाए।

एक तो हिस्सा जो कि सर के माथे के पीछे सीधा ही नीचे गुजर के जाता है और बाकी दो हिस्से जो कि सर के दो कोणों में से नीचे गुजर के और घुम करके पीछे की ओर चला जाता है।

सहज योग

मनुष्य और जानवर के बीच फर्क

जानवर में जो प्रश्न होते ही नहीं है, जो मनुष्य में होते है। जानवर के लिए तो कोई प्रश्न ही नहीं होता है, वो सिर्फ जीता है। जिस शक्ति के सहारे वो जीता है, उसकी ओर भी, उसका कोई प्रश्न नहीं होता है किवो कौन सी शक्ति है, कि जिसके सहारे मैं जीता हूं। उसकी वजह ऐसी है, कि ये चैतन्य शक्ति है, क्योंकि सारी सृष्टी की रचना करती है, उसकी चालना करती है उसकी व्यवस्था करती है। वो प्राणीमात्र में बहती हुई और गुजर जाती है। क्योंकि इंसान ने उसके एक विशेष कारण , उसके एक विशेष तरह के जीवन, से संबंधित ऐसी कुछ रचनाएं हो जाती हैं कि जिससे मनुष्य उस शक्ति से वंचित हो जाता है। इसको अगर हम समझें तो साधारण शब्दों में इस तरह से कहा जाएगा कि मनुष्य में जो अहंकार हो जाता है वो प्राणीमात्र में नहीं होता। मनुष्य की दिमागी, हार जो है वो बहुत ही और तरह की है। उसका दिमाग एक त्रिकोणाकार है और इस त्रिकोण में जब ये शक्ति, बच्चा तीन महीने के मां के गर्भ में होते समय अंदर की ओर गुजरती है, तो वो एकरिफरेकशन (अपवर्तन) जिसे अंग्रेजी में कहते हैं, विलिनीकरण जिसे कहते है, विकेंद्रिकरण कहते है उससे तीन हिस्सों में बट जाती है। एक तो हिस्सा जो कि सर के माथे के पीछे सीधा ही नीचे गुजर के जाता है और बाकी दो हिस्से जो कि सर के दो कोणों में से नीचे गुजर के और घुम करके पीछे की ओर चला जाता है। इस तीन तरह की शक्ति की वजह से ही मनुष्य प्राणीमात्र से एक उंची दृष्टी से देखता है। ये जो शक्ति हमारे सर में, त्रिकोण में से गुजरती है और त्रिकोण के कोन के तरफ से जब गुजरती है, तो उसमें भी एक कोन आ जाता है और उसी कोन के कारण उसकी शक्तियां दो तरह से बदल जाती है। अगर आप लोग फिजीक्स जानते हो, तो समझ लेंगे की शक्ति हमेंशा सीधी ही गुजरती है लेकिन वो जब इधर ऐसे गुजर जाती है, जब वो ऐसे जाना पड़ता है उसका बदलता हुआ रूख उसको दो शक्तियों में बांट देता है, जिसे कंपोनेंट्स कहते हैं। एक ऐसा बाहर की ओर जाती है, एक नीचे की ओर जाती है। बाहर की ओर जाने वाली शक्ति के कारण मनुष्य के अंदर में बाहर की ओर दृष्टि आ जाती है। जैसे के जानवर है वो अगर इस स्टुल पर आकर बैठ जाए तो ये सोचेगा की स्टुल पर बैठूं? पर मनुष्य अगर स्टुल पर बैठ जाए तो सोचेगा की ये स्टुल में कैसे पालूं। ये कहां से आया? इसको किसने बनाया? इसका बनानेवाला कौन? कोई भी चीज़ को देखते ही साथ उसमें लपट जाता। क्यूंकि इंसान को देखता है, उसकी ओर भी वो लपट जाता है। जानवर में ये बात नही, वो बस जीता है। उसका अगर मालिक आया तो खुश हो जाता है। कोई पराया आदमी आया तो फिर भौंकने लग जाता है कोई अगर चोर आया तो उसके ऊपर भौंकने लगता है। अब वो ये नहीं सोचता है कि मैं इसे अपना लूं, इस माइक को मैं ले लूं। इस टेबल को में ले लूं।

प्रस्तुति: धीरज सिंह

शख्सियत | दुर्गाबाई देशमुख

भारत की 'आयरन लेडी'

दुर्गाबाई देशमुख मद्रास प्रांत से निर्वाचित होकर भारत की संविधान सभा की सदस्य थीं। वह संविधान सभा पैनल में एकमात्र महिला थीं। उन्होंने कई सामाजिक कल्याण कानूनों को लागू करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। उन्होंने राष्ट्रीय भाषा, न्यायिक स्वतंत्रता और मानव तस्करी जैसे मुद्दों पर कई महत्वपूर्ण हस्तक्षेप किए।

दुर्गाबाई देशमुख का जन्म 15 जुलाई 1909 को आंध्र प्रदेश के राजमुंदरी के एक छोटे से गांव में हुआ था। वह गुम्मिडिथला ब्राह्मण परिवार से थीं। दुर्गाबाई देशमुख को भारत की आयरन लेडी के रूप में जाना जाता है। वह एक विद्वान और निपुण वकील, एक उत्साही सामाजिक कार्यकर्ता और एक स्वतंत्रता सेनानी थीं।

उन्होंने महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने के लिए उन्हें सशक्त बनाने का लक्ष्य बनाया। 1936 में, उन्होंने मद्रास में युवा तेलुगु लड़कियों को बनारस हिंदू विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित मैट्रिक परीक्षा के लिए शिक्षा, स्वास्थ्य सेवाओं और व्यावसायिक प्रशिक्षण में मदद करने के लिए आंध्र महिला सभा की स्थापना की। दुर्गाबाई ने आंध्र महिला नामक तेलुगु पत्रिका की स्थापना और संपादन किया।

दुर्गाबाई ब्लाइंड रिलीफ ऑर्गनाइजेशन की अध्यक्ष भी थीं और उस क्षमता में, उन्होंने नेत्रहीनों के लिए लाइट इंजीनियरिंग पर विभिन्न स्कूल, छात्रावास और कार्यशालाएँ स्थापित कीं। इंदिरा गांधी ने उन्हें भारत में सामाजिक कार्य की जननी की उपाधि दी थी।

भारत में साक्षरता को बढ़ावा देने में उनके योगदान के लिए दुर्गाबाई को 1971 में नेहरू साहित्य पुरस्कार से सम्मानित किया गया था। उन्हें 1975 में पद्म विभूषण से सम्मानित किया गया था। साक्षरता के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य के लिए उन्हें यूनेस्को पुरस्कार से भी सम्मानित किया गया। उन्होंने द स्टोन दैट स्पीकेथ नामक पुस्तक लिखी और उनकी आत्मकथा- चिंतामन एंड आई, 1981 में उनकी मृत्यु से एक साल पहले प्रकाशित हुई थी।उनका दृढ़ विश्वास, अपनी राय पर कायम रहने का दृढ़ विश्वास और समाज से कभी न डरना ऐसे गुण हैं जिन्होंने उन्हें भारत की आयरन लेडी बनाया। 9 मई 1981 को उनका निधन हो गया।

जीवन ऊर्जा | फ़ॉरेस्ट व्हिटेकर : जन्म- 15 जुलाई, 1961 | जन्म

फ़ॉरेस्ट व्हिटेकर एक प्रशंसित अमेरिकी अभिनेता, निर्देशक और निर्माता हैं, जिनका जन्म 15 जुलाई, 1961 को हुआ था। अपनी बहुमुखी भूमिकाओं के लिए जाने जाने वाले, उन्होंने द लास्ट किंग ऑफ़ स्कॉटलैंड में ईदी अमीन की भूमिका के लिए अकादमी पुरस्कार जीता। व्हिटेकर को उनके मानवीय कार्यों और सामाजिक न्याय की वकालत के लिए भी जाना जाता है।

असफलता सीखने और विकास का हिस्सा है

आपको कीचड़ से अपना सिर ऊपर उठाना होगा और बस इसे करना होगा। सफलता पैसे और शक्ति के बारे में नहीं है। यह खुशी और आत्म-मूल्य के बारे में है। हमें दुनिया में बदलाव लाना है।

हमें प्रेरित करने और बदलाव लाने की अपनी क्षमता का उपयोग करना होगा। अपने सपनों पर विश्वास करें और पूरे दिल से उनके लिए काम करें। अपने भाग्य को आकार देने की शक्ति आपके भीतर है। महानता अपनी सीमाओं पर काबू पाने से आती है। आपको अपनी आवाज़, अपने विचारों और अपनी रचनात्मकता पर भरोसा करना होगा। हर दिन खुद का एक बेहतर संस्करण बनने का प्रयास करें।

हर दिन कल की तुलना में बेहतर बनने का मौका है। असफल होने से डरो मत। असफलता सीखने और विकास का हिस्सा है। आपके संघर्ष आपकी ताकत विकसित करते हैं। आपको अपने दिल और अंतर्ज्ञान का पालन करने का साहस खोजना होगा। बदलाव आपसे शुरू होता है। यदि आप बदलाव लाना चाहते हैं, तो खुद से शुरुआत करें। सफलता का मार्ग आसान नहीं है, लेकिन यह इसके लायक है।

अपनी विशिष्टता को अपनाएँ। यह वही है जो आपको शक्तिशाली बनाता है। आपकी यात्रा आपकी अपनी है। इसकी तुलना किसी और से न करें। अपने लक्ष्यों पर केंद्रित रहें और कभी हार न मानें। सबसे बड़ी उपलब्धियाँ दिल से आती हैं। दृढ़ता आपकी क्षमता को उजागर करने की कुंजी है। आप जितना जानते हैं, उससे कहीं ज़्यादा करने में सक्षम हैं। खुद पर विश्वास रखें।

प्रेरक प्रसंग

गांधीजी की प्रेरणा

एक बार गांधीजी ट्रेन से यात्रा कर रहे थे। वे किसी मीटिंग के दौरान कहीं जा रहे थे। वे आराम से सीट पर बैठे हुए थे। उनके बगल में एक व्यक्ति और बैठा हुआ था। गांधी जी कुछ पुस्तकें पढ़ रहे थे और अचानक उनके पैर से एक चप्पल रेल गाड़ी के नीचे गिर गई। गांधी

जी ने उस चप्पल को नीचे गिरते देखा और उन्होंने अपना दूसरा चप्पल भी निकाल कर फेंक दिया। उनके बगल में बैठे उस व्यक्ति ने गांधी जी से पूछा आपने उस चप्पल को उठाने के बजाय दूसरी चप्पल भी फेंक दी। ऐसा क्यों? गांधी जी ने जवाब दिया मैं इसे चप्पल को क्या करता। मेरी चप्पल तो नीचे गिर गयी। यह चप्पल जो भी पाएगा, उसको वह भी उपयोग नहीं कर पाएगा और न ही मैं इसे उपयोग कर पाऊंगा। इसलिए अच्छा यही होगा कि यह चप्पल भी फेंक देता हूं और जो भी इसे पाएगा, वह कम से कम दोनों चप्पल प्रयोग कर पाएगा। इस उत्तर से उस आदमी को एक सिख मिल गयी और वह गांधी जी का शिष्य बन गया। जो वस्तु हमारे लिए अनुपयोगी है, उस वस्तु को उपयोगी मनुष्य को दे देना चाहिए।

सर्वसिद्ध श्री बगलामुखी तारा महाशक्ति पीठ बिजाना शाजापुर मध्य प्रदेश

वीर अंगद के वचन

(भाग 2)

इस सेवा के बदले मैं तुम्हारी वचन से सहायता करूँगा (अर्थात् सीताजी कहाँ हैं सो बतला दूँगा), जिसे तुम खोज रहे हो उसे पा जाओगे,समुद्र तट पर अपने छोटे भाई जटायु की श्राद्ध और अन्य क्रिया करके, सम्पाती ने वानरों को अपनी कथा सुनाना प्रारंभ किया... तत्पश्चात यह भी बताया कि चन्द्रमा नामक ऋषि ने दया करके मुझे ज्ञान दिया, और मेरे देह सम्बधी अभिमान को छुड़ा दिया, उन्होंने कहा कि त्रेतायुग में साक्षात् परब्रह्म मनुष्य शरीर धारण करेंगे। उनकी स्त्री को राक्षसों का राजा हर ले जाएगा। उसकी खोज में प्रभु दूत भेजेंगे। उनसे मिलने पर तू पवित्र हो जाएगाऔर तेरे पंख उग आएँगे, चिंता न कर। उन्हें तू सीताजी को दिखा देना। मुनि की वह वाणी आज सत्य हुई। अब मेरे वचन सुनकर तुम प्रभु का कार्य करो, त्रिकूट पर्वत पर लंका बसी हुई है। वहाँ स्वभाव से ही निडर रावण रहता है। वहाँ अशोक नाम का उपवन (बगीचा) है, जहाँ सीताजी रहती हैं। (इस समय भी) वे सोच में मग्न बैठी हैं मैं गीध हूँ मेरी दृष्टि बहुत

दूर तक जाती है इसलिए मैं उन्हें देख सकता हूँ, परन्तु तुम नहीं देख सकते, मैं बूढ़ा हो चुका हूँ नहीं तो तुम्हारी सहायता अवश्य करताजो सौ योजन (चार सौ कोस) समुद्र लाँघ सकेगा और बुद्धिनिधान होगा, वही श्री रामजी का कार्य कर सकेगा। (निराश होकर घबराओ मत) मुझे देखकर मन में धीरज धरो। देखो, श्री रामजी की कृपा से (देखते ही देखते) मेरा शरीर कैसा हो गया (बिना पाँख का बेहाल था, पाँख उगने से सुंदर हो गया), पापी जिनका नाम स्मरण करके अत्यंत पार भवसागर से तर जाते हैं। तुम उनके दूत हो, अतः कायरता छोड़कर श्री रामजी को हृदय में धारण करके उपाय करो, ऐसा कहकर सम्पाती वहाँ से चला गया, अब सभी वानरों में चिन्ता का विषय यह हो गया कि समुद्र के उस पार कौन जाय, सभी वानर वीर पुनः चिंताग्रस्त हो गये,सभी को निराश देख बीच में से एक वानर बोला मैं एक छलांग में दस कोस तक जा सकता हूँ, निराशा रूपी अन्धकार में आशा की लौ प्रज्ज्वलित हुई,उस वानर के उमंग को देखकर दूसरे वानर ने कहा मैं एक छलांग में बीस कोस जा सकता हूँ, तीसरे वानर ने कहा मैं तीस कोस, चौथे ने चालिस, इस प्रकार दूरी बढ़ते बढ़ते साठ योजन पर आ रूकी, द्विविद नामक वानर ने कहा कि मैं एक छलांग में सत्तर योजन दूरी तय कर सकता हूँ, मयंक नामक वानर ने कहा कि मैं एक छलांग मैं पचहत्तर योजन की दूरी तय कर सकता हूँ, नल ने कहा कि अगर मैं यहाँ से छलांग लगाऊं तो अस्सी योजन की दूरी पर जाकर गिरूंगा, नील बोले कि मैं एक छलांग में नब्बे योजन की दूरी तय कर सकता हूँ,अंगद जी का रोम रोम वानर वीरों की बात सुनकर उत्साह से भर गया था उन्होंने कहा कि मैं एक छलांग में सौ योजन की दूरी तय कर सकता हूँ परन्तु वापस लौटने में सन्देह है, जामवंत जी अंगद से बोले कि तुम सब प्रकार से योग्य हो परन्तु तुम सबके नेता हो तुम्हें कैसे भेजा जाए, और मैं बुड्ढा हो चुका हूँ।

(क्रमशः)

पंडित कैलाशचंद्र शर्मा
वैदिक सनातन संस्कृति के प्रचारक व सर्व सिद्ध श्री बगलामुखी तारा महाशक्ति पीठ के संस्थापक।
मो. नं. 9425980556

सुविचार

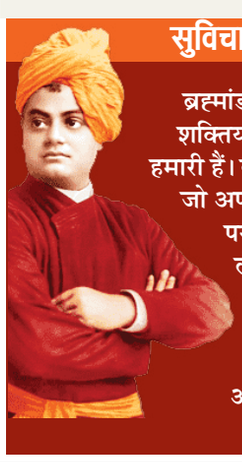

ब्रह्मांड की सारी शक्तियां पहले से हमारी हैं। वो हमी हैं, जो अपनी आंखों पर हाथ रख लेते हैं और फिर रोते हैं कि कितना अंधकार है।

यह अखबार "माध्यम कार्पोरेट सर्विसेज लि. " के लिए प्रकाशक, मुद्रक एवं संपादक अरुणलाल द्वारा ग्राउंड फ्लोर, ऑफिस नं. 2, के. के. चैम्बर्स, पुरुषोत्तमदास ठाकरदास रोड, फोर्ट, मुंबई- 400001 से प्रकाशित एवं सोमानी प्रिंटिंग प्रेस, गाला नं. 4, एन.के.इंडस्ट्रियल इस्टेट, इनसाइड प्रवासी इंडिस्ट्रयल इस्टेट गेट नं. 2, गोरेगांव पू., मुंबई-63 से मुद्रित। फोन नं. 022-66555719 ईमेल : indiagroundreport@gmail.com **कार्यकारी संपादक :** राजा आदाटे (पी.आर.बी. अधिनियम के अंतर्गत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार)।

क्या आप जानते है स्नातक चुनाव क्या है...?

भारत में स्नातक चुनाव यानी ग्रेजुएट इलेक्शन एक महत्वपूर्ण लोकतांत्रिक प्रक्रिया है, जो राज्य विधानमंडल की विधान परिषद के सदस्यों के चुनाव के लिए आयोजित की जाती है। यह निर्वाचन क्षेत्र से संबंधित होती है। यह प्रक्रिया न केवल राज्य की नीति निर्माण में गुणात्मक सुधार लाती है, बल्कि जनता के प्रति जवाबदेही और पारदर्शिता भी सुनिश्चित करती है। यह ऐसा चुनाव है जहां स्नातक व्यक्ति ही चुनाव खड़ा हो सकता है, और स्नातक लोग ही मतदान भी करते हैं।

बहुत कम लोगों को है जानकारी

हमारे देश में पढ़े लिखे लोगों की तादाद तो काफी है, पर इनसे से कुछ ही लोग हैं जो, स्नातक चुनाव के बारे में जानते हैं। ऐसे में लोगों इसके प्रति जागरूक करने के लिए स्नातक चुनाव का विस्तार में वर्णन करना जरूरी है। स्नातक निर्वाचन क्षेत्र से चुने गए सदस्य अपने ज्ञान, अनुभव और विशेषज्ञता से राज्य की नीति और कानून निर्माण प्रक्रिया में महत्वपूर्ण योगदान देते हैं। इससे राज्य की शासन प्रणाली अधिक प्रभावी और समृद्ध बनती है।
क्या है स्नातक चुनाव यानी ग्रेजुएट इलेक्शन?
स्नातक चुनाव एक मतदान प्रक्रिया है, जिसमें केवल वे लोग ही मतदान कर सकते हैं, जिन्होंने किसी विश्वविद्यालय या कॉलेज से अपनी स्नातक की पढ़ाई पूरी कर ली है। इसका उपयोग संस्थान के भीतर पूर्व छात्र संघों या सलाहकार बोर्ड जैसी भूमिकाओं के लिए प्रतिनिधियों को चुनने के लिए किया जाता है। ये चुनाव महत्वपूर्ण हैं क्योंकि वे सुनिश्चित करते हैं कि मतदान करने वाले लोग मानवीय मूल्यों और जरूरतों को समझते हैं। आइए जानते हैं इसके इतिहास के बारे में :

इतिहास

भारत में विधान परिषद का इतिहास ब्रिटिश शासनकाल से जुड़ा हुआ है। 1919 के भारतीय शासन अधिनियम (Government of India Act, 1919) के तहत विधान परिषद का गठन किया गया था। इस अधिनियम के तहत ब्रिटिश भारत के विभिन्न प्रांतों में द्विसदनीय प्रणाली (bicameral system) स्थापित की गई थी, जिसमें एक विधानसभा (Legislative Assembly) और एक विधान परिषद होती थी।L वर्ष 1950 में जब भारत गणराज्य बना, तब संविधान के तहत कुछ राज्यों में द्विसदनीय विधानमंडल स्थापित किए गए, जिनमें विधान परिषद शामिल थी। हालांकि, 1956 में राज्य पुनर्गठन अधिनियम (States Reorganisation Act) के बाद, कई राज्यों ने अपनी विधान परिषद को भंग कर दिया। इसके बावजूद, आज भी कुछ राज्यों में विधान परिषद अस्तित्व में है।

स्नातक निर्वाचन क्षेत्र

विधान परिषद के सदस्यों का चुनाव विभिन्न निर्वाचन क्षेत्रों से होता है, जिनमें से एक स्नातक निर्वाचन क्षेत्र है। स्नातक निर्वाचन क्षेत्र से चुनाव लड़ने और वोट देने के लिए, निम्नलिखित शर्तें पूरी करनी होती हैं:

1. मतदाता पंजीकरण: मतदाता के रूप में पंजीकृत होने के लिए व्यक्ति को संबंधित राज्य के किसी मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय से स्नातक की डिग्री प्राप्त करनी चाहिए। इसके साथ ही, मतदाता को कम से कम तीन साल पहले स्नातक किया होना चाहिए।

2. उम्र: मतदाता की उम्र कम से कम 21 साल होनी चाहिए।

3. निवास: मतदाता को उस राज्य का निवासी होना चाहिए, जिसमें वह मतदान करना चाहता है।

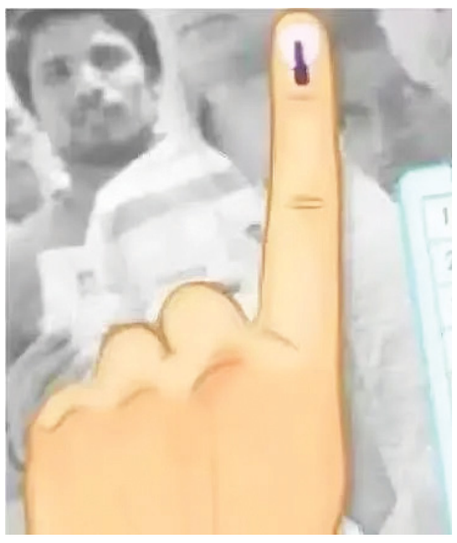

चुनाव प्रक्रिया

स्नातक निर्वाचन क्षेत्र से विधान परिषद के सदस्यों का चुनाव प्रत्यक्ष चुनाव (direct election) के माध्यम से होता है। चुनाव की प्रक्रिया निम्नलिखित है:

1. नामांकन: उम्मीदवारों को अपनी उम्मीदवारी के लिए नामांकन पत्र दाखिल करना होता है। इसके लिए कुछ नामांकित मतदाताओं का समर्थन आवश्यक होता है।
2. चुनाव प्रचार: नामांकन प्रक्रिया पूरी होने के बाद, उम्मीदवार चुनाव प्रचार करते हैं। इस दौरान वे अपने एजेंडे और लक्ष्यों को मतदाताओं के सामने प्रस्तुत करते हैं।

3. मतदान: मतदान प्रक्रिया सामान्यतः मतपत्र (ballot paper) के माध्यम से होती है। मतदाता अपने पसंदीदा उम्मीदवार के नाम के सामने चिह्न लगाते हैं।
4. मतगणना: मतदान के बाद मतगणना होती है और जो उम्मीदवार सबसे अधिक मत प्राप्त करता है, वह विजयी घोषित होता है।

स्नातक चुनाव का महत्व

स्नातक चुनाव का महत्व राज्य की विधानमंडल की कार्यप्रणाली में कई दृष्टिकोणों से देखा जा सकता है:
1. शैक्षिक और विशेषज्ञता का योगदान: स्नातक निर्वाचन क्षेत्र से चुने गए सदस्य उच्च शिक्षा प्राप्त करते हैं और अक्सर विभिन्न क्षेत्रों में विशेषज्ञ होते हैं। उनका अनुभव और ज्ञान राज्य की नीतियों और कानूनों में गुणात्मक सुधार लाने में सहायक होता है।

2. जनता के प्रति जवाबदेही: विधान परिषद के सदस्य जनता के प्रति जवाबदेह होते हैं, क्योंकि वे जनता के द्वारा चुने जाते हैं। इससे पारदर्शिता और उत्तरदायित्व सुनिश्चित होता है।

3. विविध दृष्टिकोण: विधान परिषद में विभिन्न पृष्ठभूमियों और विशेषज्ञता वाले सदस्य होते हैं, जिससे नीतियों और कानूनों पर व्यापक दृष्टिकोण और विचार-विमर्श होता है। यह निर्णय प्रक्रिया को अधिक समृद्ध और प्रभावी बनाता है।

4. राज्य सरकार के कार्यों की समीक्षा: विधान परिषद राज्य सरकार के कार्यों की समीक्षा और निगरानी करती है। इससे यह सुनिश्चित होता है कि सरकार के निर्णय और कार्यवाही जनहित में हैं और सही तरीके से लागू हो रहे हैं।

स्नातक निर्वाचन क्षेत्रों के उदाहरण

भारत के विभिन्न राज्यों में स्नातक निर्वाचन क्षेत्र हैं, जिनमें से कुछ प्रमुख उदाहरण निम्नलिखित हैं:

1. महाराष्ट्र: महाराष्ट्र विधान परिषद में स्नातक निर्वाचन क्षेत्र से चुने गए सदस्य हैं। इस राज्य में स्नातक चुनाव व्यापक रूप से देखा जाता है और इसमें बड़े पैमाने पर स्नातकों की भागीदारी होती है।

2. उत्तर प्रदेश: उत्तर प्रदेश में भी विधान परिषद के लिए स्नातक निर्वाचन क्षेत्र हैं। यहाँ के स्नातक निर्वाचन क्षेत्र से चुने गए सदस्य राज्य की नीति निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

3. कर्नाटक: कर्नाटक विधान परिषद में भी स्नातक निर्वाचन क्षेत्र से सदस्य चुने जाते हैं। इस राज्य में भी स्नातक चुनाव की प्रक्रिया व्यापक रूप से होती है और इसमें स्नातकों की महत्वपूर्ण भागीदारी होती है।

स्नातक चुनाव के नियम और शर्तें

मतदाता पंजीकरण

स्नातक चुनाव में मतदाता के रूप में पंजीकृत होने के लिए निम्नलिखित शर्तें पूरी करनी होती हैं:
- व्यक्ति को स्नातक की डिग्री प्राप्त होनी चाहिए।
- स्नातक की डिग्री प्राप्त किए कम से कम तीन वर्ष हो चुके होने चाहिए।
- मतदाता को उस राज्य का निवासी होना चाहिए, जहाँ वह वोट डालना चाहता है।
- उम्र कम से कम 21 वर्ष होनी चाहिए।

उम्मीदवारों के लिए पात्रता

- उम्मीदवार के पास स्नातक की डिग्री होनी चाहिए।
- उम्मीदवार को उस राज्य का निवासी होना चाहिए, जहाँ से वह चुनाव लड़ना चाहता है।
- उम्मीदवार को निर्दिष्ट संख्या में नामांकित मतदाताओं का समर्थन प्राप्त होना चाहिए।
- ग्रेजुएट चुनाव से जुड़ी जानकारी के लिए वेबसाइट ग्रेजुएट चुनाव के लिए आप भारत निर्वाचन आयोग (Election Commission of India) की वेबसाइट पर जा सकते हैं। इस वेबसाइट पर आपको ग्रेजुएट चुनाव से जुड़ी सारी जानकारी मिल सकती है। आपको यह वेबसाइट हिंदी में भी उपलब्ध है:

https://eci.gov.in
इस वेबसाइट पर जाने के बाद, आप हिंदी भाषा का चयन कर सकते हैं और अपने राज्य के ग्रेजुएट चुनाव के बारे में विवरण प्राप्त कर सकते हैं।

चुनाव प्रक्रिया

नामांकन प्रक्रिया

- उम्मीदवारों को नामांकन पत्र भरकर जमा करना होता है।
- नामांकन पत्र के साथ निर्दिष्ट संख्या में समर्थकों के हस्ताक्षर की आवश्यकता होती है।

- चुनाव आयोग नामांकन पत्रों की जांच करता है और सही पाए गए नामांकन पत्रों को स्वीकार करता है।

चुनाव प्रचार

- चुनाव प्रचार के दौरान उम्मीदवार अपने एजेंडे और लक्ष्यों को मतदाताओं के सामने रखते हैं।
- प्रचार के माध्यमों में रैलियाँ, सार्वजनिक सभाएँ, घर-घर प्रचार, सोशल मीडिया, पोस्टर, और पर्चे शामिल होते हैं।

मतदान प्रक्रिया

- मतदान सामान्यतः मतपत्र (ballot paper) के माध्यम से होता है।
- मतदाता अपने पसंदीदा उम्मीदवार के नाम के सामने चिह्न लगाते हैं।
- मतदान केंद्रों पर उचित प्रबंध किए जाते हैं, ताकि मतदाता बिना किसी बाधा के अपने मताधिकार का उपयोग कर सकें।

मतगणना

- मतदान समाप्त होने के बाद मतगणना की जाती है।
- मतगणना प्रक्रिया पारदर्शी होती है और इसमें सभी उम्मीदवारों के प्रतिनिधियों को उपस्थित रहने का अधिकार होता है।
- सबसे अधिक मत प्राप्त करने वाले उम्मीदवार को विजयी घोषित किया जाता है।

विधान परिषद का कार्य और योगदान

विधेयकों की समीक्षा

विधान परिषद का मुख्य कार्य विधानसभा द्वारा पारित विधेयकों की समीक्षा करना है। यह सुनिश्चित करता है कि विधेयक में कोई त्रुटि न हो और यह जनहित में हो।

चर्चाएं और वाद-विवाद

विधान परिषद में विभिन्न मुद्दों पर विस्तृत चर्चा और वाद-विवाद होते हैं। इससे नीतियों और कानूनों की गुणवत्ता में सुधार होता है।

विशेषज्ञता का योगदान

विधान परिषद में विभिन्न क्षेत्रों के विशेषज्ञ होते हैं, जो अपनी विशेषज्ञता के माध्यम से नीति निर्माण में महत्वपूर्ण योगदान देते हैं। इससे नीतियाँ अधिक व्यावहारिक और प्रभावी होती हैं।

स्नातक चुनाव के मुद्दे और चुनौतियां

मतदाता जागरूकता की कमी

स्नातक चुनाव में अक्सर मतदाताओं की जागरूकता की कमी देखी जाती है। इसके लिए आवश्यक है कि चुनाव आयोग और संबंधित संस्थाएँ मतदाता जागरूकता अभियान चलाएँ।

पंजीकरण प्रक्रिया में समस्याएं

मतदाता सूची का सही और समय पर अद्यतन न होना एक बड़ी समस्या हो सकती है। इससे सही मतदाताओं का पंजीकरण नहीं हो पाता और मतदान प्रक्रिया प्रभावित होती है।

चुनाव प्रचार में धन का अत्यधिक उपयोग

चुनाव प्रचार के दौरान धन का अत्यधिक उपयोग एक गंभीर मुद्दा है। इससे चुनाव प्रक्रिया में असमानता और भ्रष्टाचार बढ़ सकता है। इसे नियंत्रित करने के लिए सख्त नियमों और निगरानी की आवश्यकता होती है।

न्यायसंगत प्रतिनिधित्व की कमी

सुनिश्चित करना कि सभी वर्गों और समुदायों का न्यायसंगत प्रतिनिधित्व हो, एक बड़ी चुनौती है। इससे समाज के सभी वर्गों की समस्याओं और मुद्दों पर ध्यान दिया जा सकेगा।

सुधार के उपाय

जागरूकता अभियान

मतदाता जागरूकता बढ़ाने के लिए नियमित अभियान चलाना चाहिए। इसके लिए सोशल मीडिया, टीवी, रेडियो, और समाचार पत्रों का उपयोग किया जा सकता है।

पंजीकरण प्रक्रिया का सरलीकरण

मतदाता पंजीकरण प्रक्रिया को सरल और सुलभ बनाना चाहिए। ऑनलाइन पंजीकरण और अद्यतन की सुविधा दी जानी चाहिए।

सख्त निगरानी और नियम

चुनाव प्रचार में धन के अत्यधिक उपयोग को नियंत्रित करने के लिए सख्त निगरानी और नियम बनाए जाने चाहिए। चुनाव आयोग को इस दिशा में सख्त कदम उठाने चाहिए।

न्यायसंगत प्रतिनिधित्व

सुनिश्चित करना चाहिए कि विधान परिषद में सभी वर्गों और समुदायों का न्यायसंगत प्रतिनिधित्व हो। इसके लिए आरक्षण नीति और अन्य उपाय अपनाए जा सकते हैं।

ऐतिहासिक योगदान

भारत के स्वतंत्रता संग्राम और बाद के विकास में कई प्रमुख नेताओं और विचारकों ने स्नातक चुनावों में भाग लिया और विधान परिषद के सदस्य बने। उनके योगदान और विचारधारा ने समाज में गहरे बदलाव लाए।

उदाहरण के लिए

डॉ. बी.आर. अंबेडकर

संविधान निर्माता डॉ. अंबेडकर ने समाज में दलितों और पिछड़े वर्गों के अधिकारों के लिए संघर्ष किया। उनके विचार और नीतियाँ आज भी प्रासंगिक हैं।

पंडित जवाहरलाल नेहरू

नेहरू जी ने स्वतंत्रता संग्राम के दौरान और स्वतंत्रता के बाद विभिन्न चुनावों में भाग लिया और उनके नेतृत्व ने भारत के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

स्नातक चुनाव के व्यापक प्रभाव

स्नातक चुनाव न केवल राजनीतिक प्रणाली का हिस्सा है, बल्कि समाज और संस्कृति पर भी इसके प्रभाव देखने को मिलते हैं। चलिए इन प्रभावों पर विस्तार से चर्चा करते हैं।

राजनीतिक जागरूकता

स्नातक चुनाव राजनीतिक जागरूकता को बढ़ावा देते हैं। उच्च शिक्षा प्राप्त लोग अधिक सजग और समाजिक मुद्दों के प्रति संवेदनशील होते हैं। उनके मतदान में भाग लेने से जनसामान्य में राजनीतिक चर्चा और जागरूकता बढ़ती है।

सामाजिक प्रभाव

स्नातक निर्वाचन क्षेत्रों से चुने गए प्रतिनिधि समाज के विभिन्न वर्गों का प्रतिनिधित्व करते हैं। वे समाज के विभिन्न मुद्दों को उठाते हैं और उनके समाधान के लिए प्रयासरत रहते हैं। इससे समाज में सकारात्मक बदलाव आता है।

शैक्षिक विकास

स्नातक चुनाव शैक्षिक विकास को भी बढ़ावा देते हैं। जब अधिक लोग उच्च शिक्षा प्राप्त कर मतदान करते हैं, तो शिक्षा के महत्व को समझा जाता है और शिक्षा के क्षेत्र में सुधार की मांग बढ़ती है।

युवा भागीदारी

स्नातक चुनाव युवा मतदाताओं को भी राजनीतिक प्रक्रिया में भाग लेने के लिए प्रेरित करते हैं। युवा वर्ग के अधिक संख्या में मतदाता होने से चुनावों में उनकी आवाज सुनी जाती है और उनके मुद्दों को महत्व मिलता है।

स्नातक चुनाव में नवाचार और तकनीकी सुधार

ई-वोटिंग

आजकल तकनीकी उन्नति के चलते ई-वोटिंग एक महत्वपूर्ण नवाचार के रूप में उभर रहा है। ई-वोटिंग प्रणाली से मतदान प्रक्रिया को सरल और तेज बनाया जा सकता है। इससे मतदाताओं को अधिक सुविधा मिलती है और मतदान प्रतिशत भी बढ़ता है।

मतदाता शिक्षा कार्यक्रम

तकनीकी साधनों का उपयोग करके मतदाता शिक्षा कार्यक्रम चलाए जा सकते हैं। ऑनलाइन पोर्टल, मोबाइल ऐप, और सोशल मीडिया का उपयोग करके मतदाताओं को चुनाव प्रक्रिया, उनके अधिकारों और कर्तव्यों के बारे में जानकारी दी जा सकती है।

ऑनलाइन पंजीकरण

ऑनलाइन पंजीकरण प्रक्रिया को प्रोत्साहित किया जा सकता है, जिससे मतदाताओं को पंजीकरण के लिए लंबी कतारों में खड़ा नहीं होना पड़ेगा। यह प्रक्रिया सरल और सुविधाजनक होगी।

मतदाता पहचान सत्यापन

आधार कार्ड और अन्य डिजिटल पहचान प्रमाण पत्रों का उपयोग करके मतदाता पहचान सत्यापन प्रक्रिया को और अधिक सटीक और सुरक्षित बनाया जा सकता है। इससे फर्जी मतदान को रोका जा सकेगा।

भविष्य की संभावनाएं

डिजिटलाइजेशन

चुनाव प्रक्रिया को डिजिटल बनाने की दिशा में कई कदम उठाए जा सकते हैं। ऑनलाइन वोटिंग, मतदाता पंजीकरण, और डिजिटल पहचान सत्यापन से चुनाव प्रक्रिया को अधिक सुविधाजनक और पारदर्शी बनाया जा सकता है।

नवाचार और अनुसंधान

चुनाव प्रक्रिया में नवाचार और अनुसंधान को बढ़ावा दिया जाना चाहिए। नए और प्रभावी तरीकों का उपयोग करके चुनाव प्रक्रिया को और अधिक सटीक और प्रभावी बनाया जा सकता है।

वैश्विक मानकों का अनुपालन

चुनाव प्रक्रिया में वैश्विक मानकों का अनुपालन सुनिश्चित किया जाना चाहिए। इससे भारतीय चुनाव प्रणाली को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर मान्यता मिलेगी और उसकी विश्वसनीयता बढ़ेगी।

प्रस्तुति
नीलम रामअवध

खबर संक्षेप

भाजपा के झूठ के शासन का लोगों को अहसास हो गया: राम गोपाल यादव

इटावा। समाजवादी पार्टी के वरिष्ठ नेता और राज्यसभा सदस्य प्रोफेसर राम गोपाल यादव ने रविवार को भाजपा पर निशाना साधा और कहा कि लोगों को भाजपा के झूठ के शासन का एहसास हो गया है। सपा के प्रमुख महासचिव प्रोफेसर यादव ने यहां पत्रकारों से बात करते हुए कहा, 'लोग भाजपा के झूठ के शासन को समझ रहे हैं। यही कारण है कि भाजपा उन 13 सीट में से केवल दो पर ही जीत हासिल कर सकी, जहां हाल ही में उपचुनाव हुए थे।' पश्चिम बंगाल, हिमाचल, उत्तराखंड, बिहार, तमिलनाडु पंजाब और मध्य प्रदेश समेत सात राज्यों के निर्वाचन क्षेत्रों में उपचुनाव हुए।उन्होंने कहा, 'यह एक संकेत है कि भाजपा हरियाणा, महाराष्ट्र और अन्य राज्यों में होने वाले आगामी विधानसभा चुनाव हारने जा रही है।' सपा प्रमुख अखिलेश यादव के चाचा प्रोफेसर यादव ने भी आरोप लगाया कि "अगर प्रशासन और अन्य तरीकों का इस्तेमाल कर बेईमानी नहीं की गई तो भाजपा किसी भी राज्य में चुनाव नहीं जीत पाएगी।'

ताजमहल के ऊपर मंडराते ड्रोन का वीडियो वायरल

आगरा। उत्तर प्रदेश के आगरा में सुरक्षा के लिहाज से बेहद संवेदनशील ताजमहल के ऊपर एक ड्रोन के उड़ने का वीडियो सोशल मीडिया में वायरल हो गया।

ताजमहल के 500 मीटर के आसपास का इलाका उड़ान निषिद्ध क्षेत्र (नो फ्लाइंग जोन) है। वीडियो रविवार सुबह छह बजे का बताया जा रहा है, हालांकि सुरक्षा के लिए लगे पुलिस के सीसीटीवी कैमरे में यह ड्रोन कहीं नजर नहीं आ रहा है, ऐसे में आशंका है कि किसी व्यक्ति ने इस ड्रोन का उपयोग यमुना के दूसरी ओर से ताजमहल क्षेत्र में किया है। इस मामले की जांच करने के लिए ताजमहल की सुरक्षा में तैनात सीआईएसएफ और पुलिस अधिकारियों की एक संयुक्त जांच टीम का गठन किया गया है। टीम ताजमहल के आसपास के होटलों में तलाश अभियान चला कर ड्रोन उड़ाने वाले व्यक्ति के बारे में जानकारी जुटा रही है। वीडियो सोशल मीडिया पर आने के बाद एसीपी (ताज सुरक्षा) अरीब अहमद ने आशंका जताई कि यह वीडियो पुराना भी हो सकता है। उन्होंने बताया कि उन्हें ताजमहल के ऊपर ड्रोन उड़ने की सूचना मिली है, जिसके बाद जांच के लिए संयुक्त टीम का गठन किया गया है।

2027 में फिर से उत्तर प्रदेश में फहरेगा भाजपा का परचम : योगी आदित्यनाथ

- पार्षद से लेकर सांसद तक सभी को अभी से 2027 के लिए जुटना होगा
- सोशल मीडिया पर हो जाएं सुपर एक्टिव, अफवाहों का तत्काल करें खंडन
- समाजवादियों ने राम, कृष्ण और शिव की परंपरा को कलंकित किया

एजेंसी। लखनऊ

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने भाजपा प्रदेश कार्यसमिति की बैठक को संबोधित करते हुए कहा कि 2027 में फिर से उत्तर प्रदेश में भाजपा का परचम फहरेगा। आने वाले सभी 10 विधानसभाओं के उपचुनाव में भी भाजपा का परचम लहराएगा। इसके लिए हमें अभी से जुट जाना है। यही हमारा संकल्प आज से होना चाहिए। उन्होंने कहा कि भाजपा नेताओं और कार्यकर्ताओं को सोशल मीडिया पर सुपर एक्टिव होना होगा और किसी भी प्रकार की अफवाहों का तत्काल खंडन करना होगा। जिन लोगों को आज उछल कूद करने का अवसर मिला है, वो दोबारा उछल कूद नहीं कर पाएंगे। मुख्यमंत्री रविवार को डा.राम मनोहर लोहिया राष्ट्रीय विधि विश्वविद्यालय के डा.भीमराव आम्बेडकर सभागार में आयोजित प्रदेश कार्यसमिति की बैठक को संबोधित कर रहे थे।

अति आत्मविश्वास ने हमारी अपेक्षाओं को चोट पहुंचाई

योगी आदित्यनाथ ने कहा कि लोकसभा और राज्यसभा सांसद के साथ ही विधायकगण, एमएलसी, जिला पंचायत अध्यक्ष, महापौर, ब्लॉक प्रमुख, चेयरमैन और पार्षद सभी लोग आज से ही 2027 के विधानसभा चुनाव की तैयारियों में जुट जाएं। मुख्यमंत्री ने कहा कि पीएम मोदी के नेतृत्व में हमने यूपी में 2014, 2017, 2019 और 2022 में बड़ी सफलता प्राप्त करते हुए विपक्ष पर लगातार दबाव बनाए रखा था। 2014 और उसके बाद के चुनावों में जितना मत प्रतिशत भाजपा के पक्ष में था, 2024 में भी भाजपा उतना वोट पाने में सफल रही है, लेकिन वोटों की शिफ्टिंग और अति आत्मविश्वास ने हमारी अपेक्षाओं को चोट पहुंचाई है। जो विपक्ष पहले हार मान के बैठ गया था, वो आज फिर से उछल-कूद मचा रहा है।

'मोहर्रम हो रहा है अब ये पता भी नहीं चलता'

योगी ने कहा कि कभी मोहर्रम में सड़कें सूनी हो जाती थीं। आज मोहर्रम हो रहा है ये पता भी नहीं चलता। ताजिया के नाम पर घर तोड़े जाते थे, पीपल के पेड़ काटे जाते थे, सड़कों के तार हटाए जाते थे। आज कहा जाता है कि गरीब की झोपड़ी नहीं तोड़ेंगे, तार नहीं तोड़ेंगे। हमारा स्पष्ट तौर पर निर्देश है कि पर्व और त्योहार मनाना है तो नियमों के अंतर्गत मनाओ, वरना घर में बैठ जाओ। भाजपा ने पूरे देश में विधि और सुशासन की सरकार चला के दिखाया है। मुख्यमंत्री ने कोरोना काल की चर्चा करते हुए कहा कि तब प्रधानमंत्री मोदी ने सेवा ही संगठन का मंत्र दिया था। उस वक्त भी भाजपा और आरएसएस के कार्यकर्ता सड़क पर उतरकर जनता की सेवा कर रहे थे, मगर अन्य कोई राजनीतिक दल तब नहीं दिखा।

मुख्यमंत्री ने कहा कि हम जाति, मत, मजहब के नाम पर भेदभाव नहीं करते। 80 करोड़ लोगों को फ्री राशन किसी की जाति, धर्म देखकर नहीं मिल रहा। कोरोना काल में भी भूख से मौत और आत्महत्या नहीं होने दिया गया। उस कालखंड में भी हमारे कार्यकर्ता अपनी जान की परवाह किये बगैर लगातार कार्य करते रहे। जिस कोरोना के सामने दुनिया की बड़ी-बड़ी ताकतें नतमस्तक हो गई, उसे पीएम मोदी के नेतृत्व में समाप्त करने का कार्य हम सबने मिलकर किया।

हम राष्ट्रवादी मिशन वाले लोग हैं

मुख्यमंत्री योगी ने कहा कि दुनिया जानती है कि हमारा समाज बिखरा होगा तो आसानी से शिकार हो जाएगा, मगर एकजुट होगा तो बड़ी-बड़ी ताकतें भी इसके सामने धराशाई हो जाएंगी। जाति के नाम पर विभाजित और शक्ति को छिन्न-भिन्न करने का जो पाप इस चुनाव में हुआ है, हमें इससे सतर्क और सावधान होना होगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि हमें सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म का ज्यादा से ज्यादा उपयोग करना होगा। इसी सोशल मीडिया का उपयोग करके षड्यंत्र के साथ विरोधी ताकतें और विदेशी लगे थे, जिसमें वो सफल हो गये। हम राष्ट्रवादी मिशन वाले लोग हैं। इस अवसर पर प्रदेश अध्यक्ष भूपेन्द्र सिंह चौधरी, दोनों डिप्टी सीएम ब्रजेश पाठक एवं केशव प्रसाद मौर्य, राष्ट्रीय महामंत्री विनोद तावड़े, अरुण सिंह, संगठन महामंत्री धर्मपाल, राष्ट्रीय मंत्री सुरेन्द्र नागर सहित प्रदेशभर से आए हुए भाजपा के पदाधिकारीगण, प्रदेश सरकार में मंत्रीगण, क्षेत्रीय पदाधिकारी, सांसद, विधायकगण, जिला पंचायत अध्यक्ष, महापौर, चेयरमैन, मंडल प्रमुख आदि मौजूद रहे।

भूत-प्रेत के चक्कर में महिला की लाठी से पीटकर हत्या

एजेंसी। बलिया

जादू-टोना और भूत-प्रेत के चक्कर में रेवती थाना क्षेत्र के हड़िहाकला गांव में एक महिला की लाठी-डंडों से पीट कर हत्या करने की घटना से सनसनी फैल गई। पुलिस ने रविवार को सात आरोपितों में से एक नाबालिग समेत तीन को गिरफ्तार कर लिया। रेवती थाना क्षेत्र के हड़िहाकला में शनिवार रात दो पक्षों में जादू टोना व भूत प्रेत करने की बात को लेकर पहले गाली-गलौज हुई। फिर देखते ही देखते मारपीट होने लगी। मारपीट में राजमुनि देवी को गंभीर चोट आयी। जिनकी इलाज के लिए सीएचसी रेवती ले जाते समय रास्ते में ही मौत हो गई। मृत महिला के बेटे ने स्थानीय पुलिस को तहरीर देकर आरोप पड़ोसियों पर हत्या का आरोप लगाया। उसकी के आधार पर सात लोगों के विरुद्ध नामजद मुकदमा दर्ज किया गया। पुलिस अधीक्षक देवरंजन वर्मा ने बताया कि भूत-प्रेत के चक्कर में महिला की हत्या में नामजद अभियुक्तों की शीघ्र गिरफ्तारी के लिए पुलिस टीम का गठन किया गया था। रेवती पुलिस ने घटना में शामिल हड़िहाकला के ही रहने वाले बाप-बेटे दन प्रसाद साह पुत्र गौरीशंकर साह व मुकेश साह एक नाबालिग को प्राथमिक विद्यालय हड़िहाकला के पास से गिरफ्तार कर लिया गया है। गिरफ्तार अभियुक्तों की निशानदेही पर घटना में इस्तेमाल लाठी-डण्डे को भी बरामद कर लिया गया है।

अंतरराज्यीय गिरोह का पर्दाफाश, ढाई करोड़ का डोडा बरामद

गाजियाबाद। थाना मुरादनगर पुलिस और एंटी नारकोटिक्स टास्क फोर्स मेरठ की संयुक्त टीम ने रविवार को अंतरराज्यीय स्तर पर मादक पदार्थों की तस्करी करने वाले गिरोह का पर्दाफाश किया है। पुलिस ने तीन तस्करों को गिरफ्तार किया है। उनके कब्जे से 821 किलो 700 ग्राम अवैध डोडा पोस्त बरामद किया है। इसकी अंतरराष्ट्रीय बाजार में कीमत 2.5 करोड़ रुपये आंकी गई है। डीसीपी ग्रामीण विवेक चंद्र यादव ने बताया कि थाना मुरादनगर पुलिस और एंटी नारकोटिक्स टास्क फोर्स मेरठ की संयुक्त कार्यवाही में दुहाई इण्डस्ट्रियल एरिया रेलवे लाइन के पास से अंतरराज्यीय स्तर पर अवैध मादक पदार्थों की तस्करी करने वाले गिरोह के 03 सक्रिय तस्कर मुनीर अंसारी निवासी देवचरा थाना भमोरा बरेली, वीर सिंह निवासी ग्राम मानकुला थाना बिलारी मुरादाबाद, राहुल राणा को निवासी ग्राम दहा थाना दोघट जिला बागपत को गिरफ्तार किया है।

वन तस्करों की गोलीबारी में दो वन कर्मचारी घायल

रामपुर। रामपुर जिले के बीसलपुर इलाके के जंगल में कथित तौर पर वन तस्करों द्वारा की गई गोलीबारी में दो वन कर्मचारी घायल हो गए। प्रभागीय वनाधिकारी (डीएफओ) राजीव कुमार ने बताया कि घटना शनिवार को हुई, जिसमें दो वन कर्मचारी आले हसन और रूपचंद्र गोली लगने से घायल हो गए।

उन्होंने बताया कि कर्मचारी शनिवा रात पीपली के जंगल में गश्त पर थे, तभी कुछ वन तस्करों ने उन पर गोली चला दी, एक कर्मचारी के हाथ में गोली लगी है जबकि दूसरे के पैर में चोट आई है, दोनों की हालत खतरे से बाहर है। कुमार ने बताया कि इस सिलसिले में वन रक्षक श्यामलाल की शिकायत पर दीपा, बंटी, पिंडर, सोनी, किंदी, परमजीत उर्फ पम्मा और मनोज दुबे नामक व्यक्तियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया गया है और उनकी गिरफ्तारी के प्रयास किए जा रहे हैं।

धरना प्रदर्शन के मामले में पांच लोग गिरफ्तार

अमेठी। गौरीगंज कोतवाली पुलिस ने शव को सड़क पर रखकर धरना—प्रदर्शन के एक मामले में रविवार को पांच लोगों को गिरफ्तार कर उन्हें 14 दिन की न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है। उल्लेखनीय है कि शनिवार की देर शाम विद्युत फॉल्ट ठीक करते समय अचानक लाइन चल जाने से एक लाइनमैन की मौत के बाद परिजनों एवं आक्रोशित भीड़ ने उसके शव को पावर हाउस के अन्दर रखकर प्रदर्शन करने व रोड जाम कर दिया था। इस मामले में सब इंस्पेक्टर महेंद्र सरोज की तहरीर पर पुलिस ने 6 नामजद और 40 से 50 अज्ञात व्यक्तियों के विरुद्ध गंभीर धाराओं में मुकदमा पंजीकृत कर लिया। परिजनों का आरोप था शटडाउन लेने के बावजूद विद्युत सप्लाई चलाई गई। जिससे विद्युत लाइन की चपेट में कुलदीप आया और उसकी मृत्यु हुई। परिजनों में विद्युत विभाग के जेई और एसडीओ सहित अधिकारियों के खिलाफ गुस्सा था। इसके बाद मृतक कुलदीप का शव मृतक के परिजनों ने रख कर प्रदर्शन किया था और विद्युत विभाग के अधिकारियों तथा कर्मचारियों के खिलाफ कार्यवाही की मांग की थी।

इसी मामले में वहां पर मौजूद कुछ लोगों को पुलिस ने चिन्हित किया और उनके

खिलाफ परिजनों को उकसाकर जिला अस्पताल से मृतक कुलदीप की लाश को ले जाकर असैदापुर पावर हाउस में रखवाकर, पावर हाउस में तोडफोड़ करने, जबरदस्ती बिजली आपूर्ति बाधित करने,रोड जाम कर व करवाकर शान्ति व्यवस्था भंग करने, बिजली विभाग, स्वास्थ विभाग, पुलिस प्रशासन, जिला प्रशासन के कार्यों मे बाधा पहुंचाने से संबंधित मुकदमा पंजीकृत कर लिया था। पुलिस क्षेत्राधिकारी मयंक द्विवेदी ने बताया कि धरना प्रदर्शन के मामले में थाना गौरीगंज पुलिस द्वारा भारतीय न्याय संहिता की धारा 170, 126 और 135 के अंतर्गत 5 लोगों को गिरफ्तार कर न्यायालय उप जिला मजिस्ट्रेट गौरीगंज के समक्ष पेश किया गया। जहां से पांचो लोगों को 14 दिन की न्यायिक हिरासत में भेजे जाने का डिमांड प्राप्त हुआ। इसके उपरांत सभी लोगों को कारागार सुल्तानपुर में दाखिल कर दिया गया है।

व्यापार जगत

डाबर को चालू वित्त वर्ष में उपभोग में बढ़ोतरी की उम्मीद

एजेंसी। नई दिल्ली

रोजमर्रा के इस्तेमाल के उत्पाद (एफएमसीजी) बनाने वाली कंपनी डाबर इंडिया को चालू वित्त वर्ष में उपभोग में धीरे-धीरे बढ़ोतरी की उम्मीद है।डाबर के चेयरमैन मोहित बर्मन के अनुसार, कंपनी को उम्मीद है कि उसके 'पावर' ब्रांड वृद्धि को गति देंगे क्योंकि वह दूरदराज के इलाकों में विस्तार कर रही है। कंपनी की हालिया सालाना रिपोर्ट के अनुसार, डाबर को ग्रामीण क्षेत्रों में खपत में सुधार की उम्मीद है, जहां यह अपना विस्तार जारी रखेगी। शहरी बाजारों के लिए यह अधिक प्रीमियम पेशकश को जोड़कर और आसन्न श्रेणियों में प्रवेश करके अपनी भूमिका बढ़ाएगी। बर्मन ने कंपनी के शेयरधारकों को संबोधित करते हुए कहा, 'हम अगले साल उपभोग प्रवृत्तियों में धीरे-धीरे वृद्धि के प्रति आशान्वित हैं, क्योंकि सामान्य मानसून, सुधरते वृहद आर्थिक संकेतक, बुनियादी ढांचे के निर्माण पर सरकार का निरंतर व्यय तथा कम मुद्रास्फीति की भविष्यवाणी की गई है।' कंपनी अपनी व्यावसायिक रणनीति की जुझारू क्षमता के बारे में 'आश्वस्त' है। उसे उम्मीद है कि उसके पावर ब्रांड वृद्धि को आगे बढ़ाते रहेंगे क्योंकि यह अपनी पहुंच को और गहरा करेगी, जिससे इसका कुल बाजार बढ़ेगा।

डाबर के पोर्टफोलियो में वर्तमान में नौ अलग-अलग पावर ब्रांड शामिल हैं – आठ भारत में और एक विदेशी बाजारों में, जिनका कुल बिक्री में लगभग 70 प्रतिशत हिस्सा है। डाबर के आठ प्रमुख पावर ब्रांड में डाबर च्यवनप्राश, डाबर हनी, डाबर हनीटस, डाबर पुदीनहारा, डाबर लाल तेल, डाबर आंवला, डाबर रेड टूथपेस्ट और रियल जूस शामिल हैं। वाटिका डाबर का अंतरराष्ट्रीय पावर ब्रांड है। वित्त वर्ष 2023-24 में ग्रामीण मांग में कमी के कारण खपत में मंदी देखी गई, जो उच्च खाद्य मुद्रास्फीति और अनियमित वर्षा से प्रभावित थी। अपनी वृद्धि रणनीति के तहत डाबर पारंपरिक चैनल के अलावा त्वरित भुगतान जैसे नए युग के माध्यमों पर भी ध्यान केंद्रित कर रही है।

कार्यालय से काम करने के मामले में कोविड महामारी से पहले के स्तर पर पहुंचे: टीसीएस

मुंबई। देश की सबसे बड़ी सूचना प्रौद्योगिकी (आईटी) सेवा निर्यातक कंपनी टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (टीसीएस) के कार्यालयों से काम करने वाले कर्मचारियों का प्रतिशत कोविड महामारी से पहले के स्तर पर पहुंच गया है। टाटा समूह की कंपनी के मानव संसाधन प्रमुख मिलिंद लक्कड़ ने स्वीकार किया कि इसमें अपेक्षा से अधिक समय लगा। उन्होंने कहा कि 18 महीने के 'कठिन' प्रयासों के बाद यह स्तर हासिल किया गया है। लक्कड़ ने कहा, 'हम वास्तव में उस बिंदु पर आ गए हैं, जहां हमें विश्वास है कि हम लगभग कोविड महामारी से पूर्व के स्तर पर वापस आ रहे हैं।' यह ध्यान देने योग्य है कि कोविड महामारी से प्रेरित लॉकडाउन के परिणामस्वरूप पूरे आईटी उद्योग के कर्मचारियों को अपने घरों से काम करना पड़ा। टीसीएस ने इस साल जून तक महिला कर्मचारियों की संख्या में मामूली गिरावट दर्ज करते हुए 35.5 प्रतिशत रहने की बात कही है।

सरकार ने थोक पैकिंग वाली वस्तुओं पर अनिवार्य लेबलिंग का प्रस्ताव रखा

नई दिल्ली। उपभोक्ता मामलों के मंत्रालय ने रविवार को विधिक माप विज्ञान (पैकेज्ड कमोडिटीज) नियम, 2011 में संशोधन का प्रस्ताव रखा है। इसमें खुदरा बाजार में बेची जाने वाली 25 किलोग्राम से अधिक वजन या 25 लीटर से अधिक माप वाली पैक की गई वस्तुओं पर महत्वपूर्ण जानकारी की घोषणा को अनिवार्य करने का प्रस्ताव है। इस कदम का उद्देश्य उस खामी को दूर करना है, जिसके तहत वर्तमान में ऐसी थोक पैकिंग पर अधिकतम खुदरा मूल्य (एमआरपी), समाप्ति तिथि, निर्माता की जानकारी और मूल देश जैसी महत्वपूर्ण जानकारी प्रदर्शित करने से छूट दी जाती है। मंत्रालय ने एक बयान में कहा,'देखा गया है कि 25 किलोग्राम से अधिक वजन वाली पैकेज्ड वस्तुएं भी खुदरा बिक्री के लिए बाजार में उपलब्ध हैं।' प्रस्तावित संशोधन के तहत निर्माताओं, पैकर्स और आयातकों को खुदरा बिक्री के लिए सभी पूर्व-पैकेज्ड सामानों पर व्यापक लेबलिंग करनी आवश्यक होगा, चाहे उनकी मात्रा कितनी भी हो। इससे उद्योग जगत में स्पष्टता आने और उपभोक्ताओं को सूचित विकल्प चुनने में सहायता मिलने की उम्मीद है। मंत्रालय ने प्रस्ताव पर 29 जुलाई तक सार्वजनिक टिप्पणियां आमंत्रित की हैं। यदि नए नियम लागू किए जाते हैं, तो वे औद्योगिक या संस्थागत उपभोक्ताओं के लिए पैकेज्ड वस्तुओं पर लागू नहीं होंगे।

सरकार एमटीएनएल के बॉन्ड ब्याज का भुगतान करेगी, कोई चूक नहीं होगी: सूत्र

एजेंसी। नई दिल्ली

सरकार महानगर टेलीफोन निगम लिमिटेड (एमटीएनएल) के बॉन्ड बकाया का भुगतान करेगी। दूरसंचार विभाग के एक सूत्र ने भरोसा दिया कि कोई चूक नहीं होगी, और यह राशि 20 जुलाई की तय तारीख से पहले चुका दी जाएगी।यह कदम इसलिए महत्वपूर्ण है क्योंकि इससे एमटीएनएल के सामने खड़ा संकट टल जाएगा। कंपनी ने बढ़ते वित्तीय संकट के बीच इस सप्ताह शेयर बाजार को बताया था कि वह अपर्याप्त कोष के कारण कुछ बॉन्डधारकों को ब्याज का भुगतान करने में असमर्थ है। यह ब्याज 20 जुलाई, 2024 को देय है। दूरसंचार विभाग (डीओटी) के सूत्रों ने कहा कि सरकार कदम उठाएगी और उक्त बकाया का भुगतान करेगी, और जोर देकर कहा कि इसपर कोई चूक नहीं होगी।

सूत्रों ने कहा, 'बकाया राशि का भुगतान तय तारीख से पहले किया जाएगा'

एमटीएनएल, दूरसंचार विभाग और बीकन ट्रस्टीशिप लिमिटेड के बीच हस्ताक्षरित त्रिपक्षीय समझौते (टीपीए) के अनुसार, एमटीएनएल को देय तिथि से 10 दिन पहले एस्क्रो खाते में पर्याप्त राशि के साथ अर्धवार्षिक ब्याज का भुगतान करना होगा। एमटीएनएल ने कहा कि टीपीए के प्रावधानों के मद्देनजर, यह सूचित किया जाता है कि अपर्याप्त कोष के कारण, एमटीएनएल एस्क्रो खाते में पर्याप्त राशि जमा नहीं कर सकी है।

भारत में 2030 तक खुदरा डिजिटल भुगतान दोगुना होकर 7,000 अरब डॉलर होगा : रिपोर्ट

नई दिल्ली। डिजिटल भुगतान तेजी से बढ़ रहा है, ऐसे में भारत में खुदरा डिजिटल भुगतान 2030 तक मौजूदा स्तर से दोगुना होकर 7,000 अरब डॉलर तक पहुंचने का अनुमान है। कीर्नें और अमेज़न पे ने अपने एक अध्ययन में यह बात कही है। रिपोर्ट 'शहरी भारतीय कैसे भुगतान करते हैं' में कीर्नें और अमेजन पे ने कहा कि ऑनलाइन खरीद में डिजिटल भुगतान को मजबूती से अपनाने से उपभोक्ता व्यवहार में स्थायी बदलाव आने की संभावना है, जिससे ऑफलाइन खरीद को भी बढ़ावा मिलेगा। सर्वेक्षण में शामिल 90 प्रतिशत लोगों ने ऑनलाइन खरीदारी करते समय डिजिटल भुगतान को प्राथमिकता दी, लेकिन सबसे अधिक डिजिटल भुगतान उपयोग (डीडीपीयू) के साथ संपन्न उपभोक्ता आगे रहे। ऐसे उपभोक्ता अपने 80 प्रतिशत लेन-देन के लिए डिजिटल भुगतान के विभिन्न तरीकों का उपयोग करते हैं।

भारत ने पाकिस्तान को हराकर

डब्लूसीएल का पहला खिताब अपने नाम किया

एजेंसी । नई दिल्ली

बर्मिंघम में खेले गए विश्व चैंपियनशिप ऑफ लीजेंड्स के फाइनल मुकाबले में युवराज सिंह की अगुवाई वाले इंडिया चैंपियंस ने पाकिस्तान चैंपियंस को पांच विकेट से हरा दिया। भारत ने इस टूर्नामेंट का पहला खिताब अपने नाम कर लिया। इस मुकाबले में पाकिस्तान ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए 20 ओवरों में छह विकेट पर 156 रन बनाए। पाकिस्तान की तरफ से शोएब मलिक ने 41 रनों की तूफानी पारी खेली। इसके जवाब में भारत ने अंबाती रायडू के अर्धशतक की बदौलत 19.1 ओवर में पांच विकेट पर 159 रन बना कर खिताब अपने नाम कर लिया।

157 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी भारतीय टीम की दमदार शुरुआत हुई। रॉबिन उथप्पा और अंबाती रायडू के बीच पहले विकेट के लिए 34 रनों की साझेदारी हुई। तीसरे नंबर पर बल्लेबाजी के लिए आए सुरेश रैना कुछ खास नहीं कर पाए और चार रन बनाकर पवेलियन लौट गए। इसके बाद गुरकीरत सिंह मान ने मोर्चा संभाला और दो चौकों और एक छक्के की मदद से 34 रनों की पारी खेली। यूसुफ पठान ने 30 रन बनाए। वहीं, युवराज 15 और इरफान पांच रन बनाकर नाबाद रहे। पाकिस्तान के लिए आमिर ने दो विकेट चटकाए जबकि सईद अजमल, वहाब रियाज और शोएब मलिक को एक-एक विकेट मिला।

भारतीय ओलंपिक अभियान का जश्न मनाने के लिए 'पेरिस में भारत' मैराथन शुरू

एजेंसी । नई दिल्ली

भारत के ओलंपिक अभियान और अंतरराष्ट्रीय ओलंपिक समिति (आइओसी) से ईस्पोर्ट्स को मान्यता मिलने का जश्न मनाने के लिए रविवार को यहां 'पेरिस में भारत' मैराथन को हरी झंडी दिखाई गई। केंद्रीय कपड़ा मंत्री गिरिराज सिंह और सांसद मनोज तिवारी ने मैराथन को हरी झंडी दिखाई। भारत के कुल 118 खिलाड़ी 26 जुलाई से शुरू होने वाले पेरिस ओलंपिक में भाग लेंगे। इनमें भाला फेंक के स्टार खिलाड़ी नीरज चोपड़ा भी शामिल हैं।

आइओसी ने हाल में ईस्पोर्ट्स को मान्यता प्रदान की थी। आईओसी और सऊदी अरब सरकार के बीच अगले साल सऊदी अरब में ईस्पोर्ट्स ओलंपिक के आयोजन को लेकर करार भी हुआ है। यहां जारी एक विज्ञप्ति में कहा गया, 'पेरिस में भारत कार्यक्रम पारंपरिक खेलों

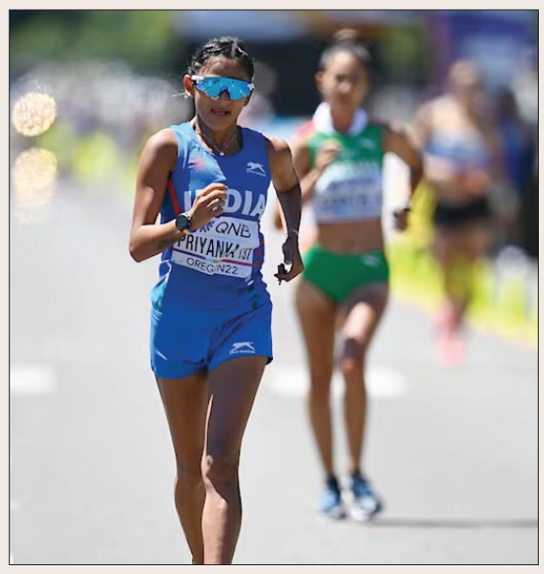

के बीच ईस्पोर्ट्स को मान्यता प्रदान करता है। इस दौड़ का उद्देश्य पारंपरिक खेलों को तेजी से बढ़ते भारतीय ईस्पोर्ट्स के साथ जोड़ना है।' इस अवसर पर गिरिराज ने कहा, 'डिजिटल इंडिया के बढ़ते अवसर ईस्पोर्ट्स जैसे नए खेलों का लाभ उठाने की बहुत संभावनाएं प्रदान करते हैं।'

कैंसर से पीड़ित गायकवाड़ के इलाज के लिए एक करोड रुपए देगा बीसीसीआई

दोपहर संवाददाता । मुंबई

भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) ने लंदन में कैंसर का इलाज करा रहे पूर्व क्रिकेटर और कोच अंशुमन गायकवाड के उपचार के लिए एक करोड रुपए जारी करने का फैसला किया है। बीसीसीआई का यह फैसला पूर्व कप्तान कपिल देव और संदीप पाटिल की भावनात्मक अपील के बाद आया है, जिन्होंने क्रिकेट बोर्ड से गायकवाड़ की मदद करने का आग्रह किया था। बीसीसीआई की शीर्ष परिषद ने यहां जारी बयान में कहा, '(सचिव) जय शाह ने भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) को कैंसर से जूझ रहे पूर्व क्रिकेटर अंशुमन गायकवाड़ को वित्तीय सहायता प्रदान करने के लिए तत्काल एक करोड़ रुपये जारी करने का निर्देश दिया है।' भारत के पूर्व कप्तान डीके गायकवाड़ के बेटे अंशुमन गायकवाड़ लंदन के किंग्स कॉलेज अस्पताल में रक्त कैंसर का इलाज करा रहे हैं। बयान के अनुसार,'शाह ने गायकवाड़ के परिवार से भी बात की और स्थिति का जायजा लिया और सहायता प्रदान की। बोर्ड संकट की इस घड़ी में गायकवाड़ के परिवार के साथ है तथा गायकवाड़ के शीघ्र स्वस्थ होने के लिए जो भी आवश्यक होगा, वह करेगा।'

बयान में आगे कहा गया, 'बीसीसीआई गायकवाड़ की प्रगति पर नजर रखेगा तथा उसे विश्वास है कि वह इस दौर से मजबूती से बाहर निकलेंगे।' गायकवाड़ ने 1975 से 1987 के बीच भारत के लिए 40 टेस्ट और 15 वनडे मैच खेले। वह बाद में भारतीय टीम के कोच भी रहे।

शुभंकर शर्मा संयुक्त 61वें और थेगाला चौथे स्थान पर

एजेंसी । नॉर्थ बेरविक (स्कॉटलैंड)

भारत के शुभंकर शर्मा ने तीसरे दौर में इवन पार 70 का स्कोर बनाया जिससे वह जेनेसिस स्कॉटिश ओपन गोल्फ टूर्नामेंट में संयुक्त 61वें स्थान पर पहुंच गए। शुभंकर ने छह बर्डी लगाई लेकिन इसके साथ वह इतनी ही बोगी कर बैठे। तीसरे दौर के बाद उनका कुल स्कोर तीन अंडर है। स्वीडन के लुडविग एबर्ग ने 17 अंडर के कुल स्कोर के साथ दो शॉट की बढ़त हासिल कर ली है।

स्थानीय खिलाड़ी रॉबर्ट मैकइंटायर 15 अंडर के साथ दूसरे जबकि पीजीए टूर विजेता एडम स्कॉट 14 अंडर का कुल स्कोर बनाकर तीसरे स्थान पर हैं। भारतीय मूल के अमेरिकी खिलाड़ी साहित थेगाला (65-66-66) अमेरिका के कोलिन मोरिकावा (66), दक्षिण कोरिया के सुंगजे इम (67) और फ्रांस के एंटोनी रोजनर (68) के साथ संयुक्त चौथे स्थान पर हैं। इन सभी का कुल स्कोर 13 अंडर है।

रंधावा सीनियर स्विस ओपन में संयुक्त छठे स्थान पर

एजेंसी । जिनेवा (स्विट्जरलैंड)

भारत के ज्योति रंधावा 50 साल से अधिक उम्र के गोल्फरों के लिए यूरोप के लीजेंड्स टूर के अंतर्गत आयोजित किए जा रहे सीनियर स्विस ओपन के दूसरे दौर में 69 का कार्ड खेल कर संयुक्त छठे स्थान पर पहुंच गए हैं। इस 52 वर्षीय खिलाड़ी ने पहले दौर में 66 का कार्ड खेला था और दो दौर के बाद उनका कुल स्कोर 5 अंडर है। पहली बार लीजेंड्स टूर में खेल रहे रंधावा ने दूसरे दौर में दो बर्डी बनाई लेकिन इसके साथ एक बोगी भी की।

इस प्रतियोगिता में भाग ले रहे एक अन्य भारतीय खिलाड़ी जीव मिल्खा सिंह ने पहले दौर में 68 का कार्ड खेला था लेकिन दूसरे दौर में वह अपने इस प्रदर्शन को नहीं दोहरा पाए और 72 का कार्ड खेलने के कारण 29वें स्थान पर खिसक गए। उन्होंने दो बर्डी, एक ईगल, चार बोगी और एक डबल बोगी की। इंग्लैंड के एंड्रयू मार्शल (66-66) और ब्राजील के एडिलसन डा सिल्वा (64-68) संयुक्त बढ़त पर हैं।

मां बनने वाली हैं ऋचा चड्ढा

ऋचा चड्ढा बॉलीवुड की बेहतरीन एक्ट्रेस में से एक हैं, जिन्होंने अपने अभिनय से लोगों के दिलों में अलग छाप छोड़ी है। फिर चाहें वो 'फुकरे' में भोली पंजाबन का किरदार निभा कर हो या 'हीरामंडी' में लज्जो का किरदार। फैंस को उनका हर अवतार पसंद आया है। ऋचा प्रोफेशनल लाइफ के साथ-साथ पर्सनल लाइफ को लेकर भी काफी चर्चा में रहती हैं।

इन दिनों वह अपने प्रेग्नेंसी फेज को एन्जॉय कर रही हैं और जल्द ही एक्ट्रेस अपने पहले बच्चे का स्वागत करने वाली हैं। अब हाल ही में उन्होंने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट कर अपनी फोटोज शेयर की हैं। साथ ही एक्ट्रेस ने बताया है कि वह कली के खिलने का इंतजार कर रही हैं।

एक्ट्रेस ऋचा चड्ढा इन दिनों अपने प्रेग्नेंसी फेज को एन्जॉय कर रही हैं। एक्ट्रेस और अभिनेता अली फजल जल्द ही अपने पहले बच्चे का स्वागत करने वाले हैं। ऐसे में हीरामंडी की लज्जो ने अपने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट किया है। इस पोस्ट में उन्होंने जाहिर किया है कि कैसे वह अपने बच्चे के आने का बेसब्री से इंतजार कर रही हैं।

सेलेब्स ने दिए अपने रिएक्शन

'हीरामंडी' एक्ट्रेस के इस पोस्ट पर ताहिरा कश्यप और सबा पटौदी ने भी अपना रिएक्शन दिया है। जहां ताहिरा ने कमेंट सेक्शन में आजा यार लिखा है। वहीं, सबा ने दिल वाले इमोजी शेयर किए हैं। इनके अलावा एक्ट्रेस डेलनाज ईरानी और उनके फैंस ने भी इस पोस्ट पर प्यार लुटाया।

बता दें कि पिंकविला की एक रिपोर्ट के अनुसार, एक्ट्रेस मां बनने के कुछ समय बाद ही काम पर लौट आएंगी। रिपोर्ट्स के मुताबिक, उन्होंने अपनी फिल्म भी साइन कर ली है। हालांकि, इसकी ऑफिशियल जानकारी अभी सामने नहीं आई है।

तापसी पन्नू ने बताई अनंत अंबानी की शादी में न जाने की वजह

उद्योगपति मुकेश अंबानी के छोटे बेटे अनंत अंबानी राधिका मर्चेंट के साथ शादी के बंधन में बंध गए। इस वक्त हर तरफ बस इसी बात की चर्चा हो रही है। शादी के लिए किसने मुंह मोड़ा? सैफ-करीना, विराट-अनुष्का समेत कुछ सेलिब्रिटीज वेडिंग से अनुपस्थित थे। इसी में एक नाम है एक्ट्रेस तापसी पन्नू का। हाल ही में तापसी ने शादी में न जाने की वजह का खुलासा किया।

तापसी पन्नू का एक पॉडकास्ट में बयान वायरल हो रहा है। वीडियो में तापसी से सवाल पूछा जाता है, 'क्या आप अंबानी की शादी में जा रही हैं?' इस पर पहले तो तापसी हंसती हैं। फिर वह कहती है, 'नहीं यार, मैं उन्हें व्यक्तिगत रूप से नहीं जानती। मुझे लगता है कि शादी एक बहुत ही निजी कार्यक्रम है। उनके पास निश्चित रूप से दोस्तों का एक बड़ा समूह होगा, लेकिन मैं उन शादियों में जाना पसंद करूंगी जहां कुछ हो।'तापसी पन्नू अपने बोल्ड बयानों के लिए जानी जाती हैं। वह अपनी एक अलग दुनिया बनाती हैं।

'दिल को तुमसे प्यार हुआ' जल्द देगा छोटे पर्दे पर दस्तक

स्टार प्लस अपने व्यूअर्स के लिए आकर्षक और दिलचस्प कंटेंट बनाने के लिए जाना जाता है, जो दर्शकों को इमोशन से भरे सफर पर भी ले जाता है। उनके शो न साफ एंटरटेन करते हैं बल्कि उनका मकसद प्रेरित करना और आगे बढ़ाना भी है। इनमें अनुपमा, गुम है किसी के प्यार में, ये रिश्ता क्या कहलाता है, उड़ने की आशा, माटी से बंधी डोर, झनक और ये हैं चाहतें जैसे शोज का नाम शामिल है, जो फैमिली ड्रामा के साथ रोमांस की झलक भी देते हैं। बता दें कि इन सभी शोज को दर्शकों द्वारा खूब पसंद किया जाता है।

इस सिलसिले को आगे बढ़ाते हुए, स्टार प्लस ने अपने नए शो, दिल को तुमसे प्यार हुआ के साथ एक नई दुनिया में कदम रखा है। इस शो में बतौर लीड अदिति त्रिपाठी (दीपिका) और अक्षित सुखीजा (चिराग) हैं। राजस्थान के बैकड्राप पर सेट दिल को तुमसे प्यार हुआ दीपिका चिराग की कहानी है। यह कहानी उनकी जिंदगी के इर्दगिर्द बनी हुई है, जिसमें उन्हें एक दूसरे से प्यार हो जाता है। लेकिन सवाल यह उठता है कि क्या उनकी यह प्रेम कहानी समाज और परिवार को मंजूर होगी?

मेकर्स ने स्टार प्लस के शो दिल को तुमसे प्यार हुआ की एक दिलचस्प पहली झलक जारी की है, जहाँ अदिति त्रिपाठी (दीपिका), अक्षित सुखिजा (चिराग) और उर्वशी परदेशी (जाह्नवी) को इंट्रोड्यूस किया गया है। मेकर्स द्वारा जारी किए गए प्रोमो में दीपिका के जीवन ने मौजूद संघर्ष और कठिनाइयों की झलक दिखाई गई है। अदिति त्रिपाठी स्टार प्लस के शो दिल को तुमसे प्यार हुआ से डेब्यू कर रही हैं, जिसमें वह दीपिका का किरदार निभाएंगी। दर्शकों को अदिति त्रिपाठी और अक्षित सुखिजा की नई जोड़ी देखने को मिलेगी। दर्शक यह देखने के लिए उत्साहित हैं कि शो के प्रसारण के बाद दीपिका और चिराग की कहानी कैसे सामने आती है। इस शो में अलग-अलग मोड़ आएंगे, जो बिना किसी शक इसे एक दिलचस्प शो बनाएंगे। 'दिल को तुमसे प्यार हुआ' 15 जुलाई को शाम 7 बजे स्टार प्लस पर प्रसारित होगा।

'बैड न्यूज' का तीसरा सॉन्ग 'मेरे महबूब मेरे सनम' हुआ रिलीज

रोमांस-कॉमेडी ड्रामा फिल्म बैड न्यूज को रिलीज होने में अब बस कुछ ही दिन बाकी हैं। इस मूवी में विक्की कौशल तृप्ति डिमरी और एमी विर्क तीनों साथ दिखाई देने वाले हैं। फैंस भी इन तीनों की जोड़ी को स्क्रीन पर एक साथ देखने के लिए काफी एक्साइटेड हैं।

ऐसे में फैंस की ये एक्साइटमेंट बनी रहे इसके लिए मेकर्स भी अलग-अलग तरह की कोशिश कर रहे हैं। अभी तक इस मूवी के दो गाने 'तौबा तौबा' और 'जानम' रिलीज किए जा चुके हैं, जिन्हें लोगों ने काफी पसंद किया। अब इसका तीसरा गाना 'मेरे महबूब मेरे सनम' आउट हो गया है। हालांकि, ये गाना फैंस को कुछ खास पसंद नहीं आया है।

आनंद तिवारी के निर्देशन में बनी फिल्म 'बैड न्यूज' का तीसरा गाना 'मेरे महबूब मेरे सनम' 14 जुलाई को रिलीज कर दिया गया है। हालांकि, यह गाना रीक्रिएट किया गया है। इसका ओरिजनल सॉन्ग महेश भट्ट की डायरेक्ट की गई फिल्म 'डुप्लीकेट' में था, जिसमें शाह रुख खान, सोनाली बेंद्रे और जूही चावला अहम किरदार में थे।

लोगों को पसंद नहीं आया गाना

एक तरफ जहां इसके पहले दो गाने हिट हुए। वहीं, अब तीसरे गाने पर लोगों ने अपना गुस्सा जाहिर किया है। दरअसल, दर्शकों को यह रीक्रिएट किया हुआ गाना कुछ खास पसंद नहीं आया है। एक यूजर ने लिखा कि इस गाने की कल्पना शाह रुख खान, जूही और सोनाली के बिना नहीं की जा सकती, माफ कीजिए। दूसरे ने लिखा कि अच्छा गाना खराब कर दिया। इसके अलावा कुछ लोगों ने इसे पसंद भी किया है।

बेबाक बोल | अरविंद सावंत : सांसद, साउथ मुंबई व पूर्व केंद्रिय मंत्री

बालासाहेब के बेटे को नकली कहने वालों को सबक सिखाएगी जनता : अरविंद सावंत

दोपहर के ऑफिस में साउथ मुंबई के सांसद व पूर्व केंद्रिय मंत्री अरविंद सावंत पधारे। उन्होंने संपादक अरुण लाल व टीम से देश, समाज, महाराष्ट्र व बाला साहेब ठाकरे पर खुलकर बातचीत की। उन्होंने कहा कि मैं बचपन से शिवसैनिक हूं, मुझे गर्व है कि मुझे बाला साहेब ठाकरे के साथ जीवन जीने का मौका मिला। उन्हें सुनना, उनके विजन के लिए लड़ना, मेरे लिए सौभाग्य है। मुझे बहुत दुख होता है कि जिन बाला साहेब ने महाराष्ट्र की जनता के लिए अपना पूरा जीवन समर्पित कर दिया। उन्हीं बाला साहेब के बच्चों को नकली बच्चा कहा जा रहा है। मराठी जनता बाला साहेब के इस अपमान को बर्दाश्त नहीं करेगी। बीते लोकसभा चुनाव में जनता ने बीजेपी को सबक सिखाया, आने वाले विधानसभा चुनाव में सभी का सूफड़ा साफ होगा।

परिवार से आया जिम्मेदारी निभाने का भाव

मुंबई के गिरगांव इलाके में मेरा जन्म हुआ। मेरे पिता मुंबई पोर्ट ट्रस्ट में आफिसर थे। हम 7 भाई बहन थे, उनकी तीन बहने थीं। मां हाउस वाईफ थीं। परिवार की आर्थिक जिम्मेदारी पिता पर थी, बाकी सब मां देखतीं थीं। मैंने अपनी दो बुआ की शादी देखी। मां ने उन्हें बेटी की तरह प्यार से पाला और उनकी शादी की। मां को मुस्कुराते हुए सभी की जिम्मेदारी निभाते देख कर मैं बड़ा हुआ। तीन भाई चार बहने थीं। 11 वीं पास होने के बाद कॉलेज में एडमिशन के लिए मेरे पास पैसे नहीं थे। मां ने मंगलसूत्र को गिरवी रखा और मेरा एडमिशन कराया। परिवार बड़ा होने के कारण मैंने लोगों के साथ सामंजस्य बनाना सीखा।

नंदुरबार के शिरीष कुमारी की सहादत ने मुझे झकझोरा

मैंने किताब में नंदुरबार के 12 वर्षीय शहीद शिरीष कुमार की कहानी पढ़ी। गांधी जी ने अंग्रेजी सामानों का बहिष्कार कर दिया था। लोग जगह- जगह अंग्रेजी कपड़ों की होली जला रहे थे। नंदुरबार में भी अंग्रेजी कपड़ों को जलाया जा रहा था। अंग्रेजों की पुलिस पहुंची, वह भारतीय लोग ही थे। उन्होंने 12 बच्चे को रोका पर वह अंत तक झंडा लेकर डटा रहा आखिरकार उसे गोली मार दी गई। वह छोटी सी उम्र में शहीद हो गया। इस घटना ने मुझे आंदोलित किया और मैं बाला साहेब के मूवमेंट से जुड़ गया।

बालासाहेब के विचारों ने प्रभावित किया

उन दिनों महाराष्ट्र के लोगों को नौकरियां नहीं मिलती थी। बाला साहेब ने मार्मिक निकाला, जहां वे महाराष्ट्र के लोगों के हितों की बात करते थे। बाला साहेब ने एक कॉलम लिखा, जो था वाचा आणी ठंड रहा। अर्थात पढ़ो और शांत रहो। यह एक तरफ का व्यंग्य था। तो हमने बाला साहेब के नेतृत्व में भूमिपुत्रों की लड़ाई लड़ी। हम युवा थे हमें भगतसिंह, सुभाष बोस जैसे क्रांतिकारी हमें प्रभावित करते रहे। हम अपना हक लड़कर लेने के लिए निकले थे।

आज भी बालासाहेब के शब्द कानों में गूंजते हैं

उन दिनों बाला साहेब जगह-जगह जाकर सभाएं लेते थे। हम उन्हें सुनने के लिए जगह-जगह पहुंचते थे। वे इतना सटीक बोलते थे कि हम उनके लिए मरने मारने को तैयार थे। बाला साहेब के पिता प्रबोधनकार जी बड़े समाज सुधारक थे, उनके पास संगठन नहीं था। पर उन्होंने दहेज प्रथा के खिलाफ जोरदार आंदोलन चलाया। वे लोगों के घरों पर गधे ले जाते थे, जिस पर लिखा होता था मैं दहेज लेता हूं मैं गधा हूं। वे जात-पात, ऊंच-नीच के खिलाफ थे। उनके सानिध्य में बाला साहेब की प्रखरता बढ़ी। बाला साहेब ने निर्देश दिया कि 80 प्रतिशत समाजसेवा और 20 प्रतिशत राजनीति यही शिवसेना का उद्देश्य है, रहेगा।

आप मराठी माणुस की लड़ाई लड़ते हैं, ऐसे में इंडिया अघाडी में कैसे जमेगा?

देखिए बाला साहेब ने भूमि पुत्रों की लड़ाई लड़ी। भूमिपुत्र कौन है, जिसका जन्म महाराष्ट्र में हुआ है। फिर वह किसी भी प्रांत से क्यों न आया हो। पूरे महाराष्ट्र के जिलों में बड़े पैमाने पर लोग कई पीढ़ियों से रहते हैं। मैं साफ कहता हूं कि वे सभी भूमिपुत्र हैं। उनके हक के लिए हम लडेंगे। इंडिया अघाडी में एकमत हैं, हम सभी एक साथ मिलकर आगे बढ़ रहे हैं।

दोपहर के ऑफिस में साउथ मुंबई के सांसद व पूर्व केंद्रिय मंत्री अरविंद सावंत का साक्षात्कार लेते हुए संपादक अरुण लाल।

मोदी जी से उनके लोग ही डरते हैं

मैंने संसद में खुले आम कहा कि मोदी जी लोकतंत्र के मंदिर में भय का माहौल बना दिया है। उनके सांसद ही उनसे डरते हैं। जब मैंने संसद में कहा कि आपके लोग ही आपसे डरते हैं, तो उनका एक भी सांसद विरोध के लिए सामने नहीं आया। इससे मेरी बात पक्की हो गई। मैं समझता हूं कि देश में लोकतंत्र है, रहना चाहिए, सांसद और प्रधानमंत्री आते-जाते रहेंगे, पर लोकत्रंत बना रहे। जब सांसद ही आपके भय से भयभीत रहेंगे तो आप कैसे राष्ट्र के विकास में उनका योगदान समझ सकें।

बीजेपी ने महाराष्ट्र को समझा नहीं

बीजेपी ने महाराष्ट्र को समझा नहीं। उन्होंने महाराष्ट्र का व्यापारीकरण किया। उन्होंने महाराष्ट्र के स्वाभिमान को धक्का दिया है। यहां से 10 से ज्यादा बड़ी कंपनियां वे गुजरात ले गए। महाराष्ट्र की जनता ने बीजेपी को वर्षों तक सम्मान दिया और बीजेपी ने उनके हक की बड़ी कंपनियां उनसे छीन कर कहीं और लगा दी। मैं कभी किसी राज्य का विरोध नहीं करता, लेकिन किसी का हक छीनकर किसी और को दे देना भी तो नाइंसाफी है।

क्यों बनी शिवसेना शाखा

बाला साहेब हमेशा जन सेवा को महत्व देते रहे। उन्होंने देखा कि सरकारी बाबू आम लोगों को बहुत दौड़ते थे, तो हर नगर में एक स्थान पर शाखा की स्थापना की गई। जहां बिना किसी भेदभाव के लोगों का निजी काम किया जाएगा। यहां लोगों के राशनकाड, पैनकार्ड, बच्चों का एडमिशन जैसे रोजमर्रा के काम में लोगों की मदद की जाती है। किसी को किसी भी प्रकार की समस्या हो वे शिवसेना शाखा पर पहुंच जाता है, जहां उसका हल भी निकाला जाता है। शाखा में कभी नहीं पूछा जाता कि तुम किस जाति-धर्म के हो, वहां बस मदद की जाती है।

उद्धव का करियर बहुत बड़ा होगा

मैंने कई दशकों में कई तरह की राजनीति देखी है। ऐसे में समाज में भारी परिवर्तन आ रहे हैं। लोग साफ-सुथरी राजनीति की तरफ बढ़ रहे हैं। उद्धव ठाकरे बाला साहेब के विचारों को लेकर आगे बढ़ रहे हैं। उनकी प्रखर वाणी से महाराष्ट्र के लोगों में आशा जगी है। वे आम लोगों की बात करते हैं। उन्होंने लोकसभा चुनाव में जनता का विश्वास जीता है। यह विश्वास दिन ब दिन बढ़ता जाएगा।

हिंदू धर्म बहुत लिबरल है

धर्म यह है कि भगवान ने आपको अच्छी स्थिति में लाया है, तो नीचे वाले को हाथ देकर ऊपर लाएं। मेरे लिए यही धर्म है। मेरे मन में सभी धर्मों का आदर है। पर हिंदू धर्म की सबसे बड़ी विशेषता यह है कि यहां आप अपनी मतभिन्नता व्यक्त कर सकते हैं। हमारे संत नामदेव भगवान के साथ लड़े। हिंदू कह सकता है कि मैं भगवान को नहीं मानता, दूसरे धर्म में यह संभव नहीं है।

किसी भी तरह की दीवार से बचें

मैं समझता हूं कि समाज में जात-पात समाज को पीछे लेकर जाती है। बाला साहेब कहते थे कि जात-पात की दिवारों में अटको मत यह प्रगति में अड़चन पैदा करती है। मांग सही है तो मार्ग भी सही होना चाहिए। मार्ग द्वेष नहीं होना चाहिए। लोग रोज झूठी बातें बोलकर लोगों को लड़ाने का काम करते हैं।

प्रस्तुति : नितिन तोरस्कर

गुजारा भत्ते पर सुप्रीम कोर्ट के आदेश को चुनौती देगा पर्सनल लॉ बोर्ड

उत्तराखंड के यूसीसी पर जताया एतराज

एजेंसी । नई दिल्ली

ऑल इंडिया मुस्लिम पर्सनल लॉ बोर्ड ने रविवार को सुप्रीम कोर्ट के फैसले को चुनौती देने की बात कही है। हाल ही में सर्वोच्च अदालत ने तलाकशुदा मुस्लिम महिलाओं को इद्दत की अवधि के बाद गुजारा भत्ता मांगने की अनुमति दी है। बोर्ड उत्तराखंड में पारित समान नागरिक संहिता (UCC) कानून को भी चुनौती देगा। रविवार को ऑल इंडिया मुस्लिम पर्सनल लॉ बोर्ड की कार्यसमिति की बैठक में आठ प्रस्तावों को मंजूरी दी गई। यह जानकारी बोर्ड के प्रवक्ता सैयद कासिम रसूल इलियास ने दी।

शरिया कानून से टकराता है सुप्रीम कोर्ट का फैसला

बोर्ड के प्रवक्ता इलियास ने कहा कि पहला प्रस्ताव सुप्रीम कोर्ट के फैसले से जुड़ा था। कोर्ट का यह फैसला शरिया कानून से टकराता है। प्रस्ताव में कहा गया है कि इस्लाम में शादी को पवित्र बंधन माना जाता है। इस्लाम तलाक को रोकने के लिए हर संभव प्रयास करता है। सुप्रीम कोर्ट के फैसले को महिलाओं के हित में बताया जा रहा है, लेकिन शादी के नजरिए से यह फैसला महिलाओं के लिए परेशानी का सबब बन जाएगा। अगर तलाक के बाद भी पुरुष को गुजारा भत्ता देना है तो वह तलाक क्यों देगा? और अगर रिश्ते में कड़वाहट आ गई है तो इसका खामियाजा किसे भुगतना पड़ेगा? हम कानूनी समिति से सलाह-मशविरा करके इस फैसले को वापस लेने के बारे में विचार विमर्श करेंगे।

भरण-पोषण की मांग कर सकती हैं मुस्लिम महिलाएं

10 जुलाई को सुप्रीम कोर्ट में न्यायमूर्ति बीवी नागरत्ना और न्यायमूर्ति ऑगस्टीन जॉर्ज मसीह की पीठ ने फैसला सुनाया कि दंड प्रक्रिया संहिता (सीआरपीसी) की धारा 125 मुस्लिम विवाहित महिलाओं समेत सभी विवाहित महिलाओं पर लागू होती है। वे इन प्रावधानों के तहत अपने पतियों से भरण-पोषण की मांग कर सकती हैं।

उत्तराखंड में यूसीसी को देंगे चुनौती

सैयद कासिम इलियास ने कहा कि उत्तराखंड के यूसीसी कानून को चुनौती दी जाएगी। उन्होंने कहा कि विविधता हमारे देश की पहचान है, जिसे हमारे संविधान ने संरक्षित रखा है। यूसीसी इस विविधता को खत्म करने का प्रयास है। यूसीसी न केवल संविधान के खिलाफ है, बल्कि हमारी धार्मिक स्वतंत्रता के भी खिलाफ है। उत्तराखंड में पारित यूसीसी सभी के लिए परेशानी का कारण बन रही है। हमने उत्तराखंड में यूसीसी को चुनौती देने का फैसला किया है। हमारी कानूनी समिति तैयारी में जुटी है।

PM Modi बने दुनिया के सबसे ज्यादा फॉलो किए जाने वाले नेता

एजेंसी । नई दिल्ली

दुनियाभर में भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के फॉलोअर्स की संख्या लगातार बढ़ती जा रही है. इसका

अंदाजा उनके एक्स (पूर्व में ट्विटर) फॉलोअर्स से आप लगा सकते हैं। अब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नाम एक नया रिकॉर्ड बन गया है। दरअसल, सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पीएम मोदी के 100 मिलियन यानी 10 करोड़ फॉलोअर्स पूरे हो गए हैं। इसके साथ ही प्रधानमंत्री मोदी सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर सबसे ज्यादा फॉलो किए जाने वाले नेता बन गए हैं। पिछले तीन साल में प्रधानमंत्री मोदी के एक्स पर लगभग 30 मिलियन यूजर्स की की बढ़ोतरी हुई है।

दिल्ली के जीटीबी अस्पताल में घुसकर ताबड़तोड़ फायरिंग, मरीज की हत्या

एजेंसी । नई दिल्ली

दिल्ली के गुरु तेज बहादुर अस्पताल में दनादन फायरिंग हुई है। इस फायरिंग से अस्पताल में मौजूद मरीज, उनके परिजन तथा अस्पताल के डॉक्टर और अन्य स्टाफ दहशत में आ गए। बदमाश ने सरेआम गुरु तेज बहादुर अस्पताल में गोलीबारी कर वहां इलाज कराने आए एक मरीज की हत्या कर दी है। बताया जा रहा है कि इस हत्याकांड को अंजाम देने के बाद अपराधी वहां से भाग गए।

इधर दिल्ली पुलिस की तरफ से जानकारी दी गई है कि जीटीबी एनक्लेव पुलिस स्टेशन को पीसीआर के जरिए सूचना मिली थी कि जीटीबी

अस्पताल के वार्ड 24 में फायरिंग की घटना हुई है। घटनास्थल पर पहुंचने के बाद यह पता चला कि यहां पेट में संक्रमण की शिकायत के बाद रियाजुद्दीन नाम के एक शख्स को इलाज के लिए भर्ती कराया गया था। शाम 4 बजे के आसपास 18 साल का एक युवक वार्ड में घुसा और उसने रियाजुद्दीन पर गोलियां बरसा दी। इस वारदात में रियाजुद्दीन की मौत हो गई है। इस मामले में एक केस दर्ज कर लिया गया है।

इधर इस वारदात को लेकर कुछ मीडिया रिपोर्ट में कहा जा रहा है कि एक बाइक से तीन बदमाश अस्पताल पहुंचे थे। इनमें से एक बदमाश अस्पताल के अंदर घुसा था। इसी ने सरेआम फायरिंग कर रियाजुद्दीन की जान ले ली है। मीडिया रिपोर्ट में यह भी कहा जा रहा है कि रियाजुद्दीन का कोई आपराधिक इतिहास नहीं है। हत्या की वारदात को अंजाम देने के बाद अपराधी वहां से फरार हो गए थे।

बिहार के स्कूल में सांपों का बसेरा

4 दिन में निकले 44 जहरीले सांप, टीचर ने किया रेस्क्यू

एजेंसी । कटिहार

बिहार के कटिहार जिले का एक स्कूल सांपों का बसेरा बन गया है। हर साल बारिश के दिनों में स्कूलों से सांप निकलते हैं। और इस बार भी सांपों के निकलने का सिलसिला जारी है। बीते 4 दिनों में 3 दर्जन से ज्यादा सांप पकड़े गए हैं, जो सभी जहरीले हैं। स्कूल से सांपों के निकलने से हड़पं मचा है। और स्कूल में पढ़ाई बंद चल रही है। इतनी तादाद में स्कूल से सांपों के निकलने से बच्चों से लेकर अभिभावक तक सकते में हैं। बारसोई

प्रखंड के बलतर पंचायत अंतर्गत उत्क्रमित मध्य विद्यालय मनोहरी में एक के बाद एक सांप निकल रहे हैं। बीते तीन दिन से लगातार सांप स्कूल के अंदर से निकल रहे थे। जिसमें लगभग चार दर्जन से अधिक सांप को स्कूल के एक शिक्षक राजकुमार ने रेस्क्यू कर जिंदा बचाया तथा एक डब्बे में बंद कर रखा।

कुपवाड़ा में सेना ने LoC पर घुसपैठ की कोशिश की नाकाम

एजेंसी । श्रीनगर

भारतीय सेना ने रविवार को जम्मू-कश्मीर के केरन सेक्टर में नियंत्रण रेखा (एलओसी) पर आतंकवादियों की घुसपैठ की कोशिश को नाकाम कर दिया है। सेना ने घुसपैठ कर रहे दो आतंकियों को ढेर कर दिया है। हालांकि, अभी इसकी आधिकारिक पुष्टि नहीं हो पाई है। हालांकि, सेना ने यह स्पष्ट नहीं किया कि चल रहे ऑपरेशन में दोनों पक्षों में कोई हताहत हुआ है या नहीं। श्रीनगर स्थित सेना की चिनार कोर ने एक्स पर पोस्ट किया कि आज केरन सेक्टर, कुपवाड़ा में नियंत्रण रेखा पर घुसपैठ की कोशिश नाकाम कर दी गई है। ऑपरेशन जारी है।